समर्पण आदमी को 'इन्सान' बना देता है

धन्य हैं वे महान विभूतियां जिन्होंने सामाजिक कार्यों को करने में अपना तन,मन और धन समर्पित किया। समाज के गौरव को बढ़ाया। अपने सद्विचारों से सामाजिक क्रांति के अग्रदूत बने। जनमानस में जागृति लाने का कार्य देश, प्रदेश के संत गण तो कर ही रहें है किन्तु समाज के वरिष्ठ जन भी पीछे नहीं हैं। यदि हम अपने धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा।

इसी प्रकार हम अपने समाज का कल्याण करेंगे, समाज हमारा ध्यान रखेगा। समाजसेवा हेतु समर्पण की भावना होना आवश्यक है। इस भावना से विवेक में जागृति आती है। विवेक जागृत होकर माँ शारदा का आशीर्वाद प्राप्त होता है जिसके सहारे हम सेवा हेतु समर्पित होते हैं। कार्य सफलता पर हमें आत्मिक सुख मिलता है और हम सेवाकार्य हेतु आगे बढ़ते जाते हैं। अच्छे कुल में जन्म लेना, अच्छे कर्म करना, समाजसेवा हर व्यक्ति के भाग्य में नसीब नहीं होता। प्रबुद्ध परिवार में जो संस्कार हमें मिले हैं उसके अनुरूप हम इस ओर प्रेरित होते हैं। ऐसे कर्मवीर, दानवीर, धर्मवीर ज्ञानीजन समाज में जागृति पैदा करते हैं जिससे जनमानस का कल्याण होता है। हमें ऐसा कर्मवीर बनना है जिसकी प्रेरणा से भावी पीढ़ी इसे कार्यरूप में परिणित करती रहे। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता में कहा है

"य दृच्छालाभ सन्तुष्ठो, द्वन्दातीतो विमत्सरः।
समः सिद्धावसिद्धौ च, कृत्वापिन कि बध्यते।।" (गीता अध्याय 4/22)

अर्थात- हमें ऐसा कर्मयोगी बनना है जो सिद्धि, असिद्धि में समान रहे, जिसमें राग द्वेष का अभाव हो जो हर्ष व शोक में भी समान रहे।

इसी परिप्रेक्ष में मैं अखिल भारतीय नागर परिषद् शाखा इन्दौर के भू.पू. पदाधिकारी गणों का हृदय से सम्मान करता हूं जिन्होंने अपनी स्व प्रेरणा से समाज सेवा हेतु अपना अमूल्य योगदान देकर गौरव में वृद्धि की। अर्न्तप्रान्तीय, राष्ट्रीय स्तर पर नवरात्र में नौं दिनों तक परिश्रम करके गरवों में जान डाल दी। महिला मण्डल नागर परिषद् शाखा इन्दौर के परिश्रम को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रान्तीय स्तर पर सभी परिषद् शाखाओं का स्नेह व सहयोग भरपूर मिला। हमें सभी से अपार स्नेह मिला। एक साहित्यकार ने कहा है **'प्यार परिचय को पहचान बना देता है। गीत विरान को गुलिस्तान बना देता है। मैं आप बीती कहता हूं पराई नहीं, समर्पण आदमी को इन्सान बना देता है।**

मैं नवनिर्वाचित परिषद शाखा इन्दौर के सभी प्रबुद्ध, कर्मठ पदाधिकारियों को बधाई देता हूं जिन्होंने विगत संगठन को भरपूर सहयोग दिया व आगामी कार्यक्रमों को सम्पादित करने हेतु सतत् अपने कर्मपथ की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

समाज के पितृ, मातृ, भाई, बहनों की प्रेरणा से समाज का नाम रोशन होगा। ।।इति।।

-नवीनचन्द्र रावल
155-ए, तुलसीनगर इन्दौर
फोन 0731-2553153

जय हाटकेश | सिर्फ नागर बंधुओं हेतु | जय श्री कृष्ण

व्यापारी बनें मात्र 500/-रुपए से शुरू करें...

हमारे उत्पादन

- जालिम-एक्स मलम
- जालिम-एक्स [illegible]
- जालिम-एक्स लोशन
- पंचसुधा
- वामा क्रीम
- मेकाडो बाम
- अंजू बाम
- पेन ऑफ ऑईल
- पेन क्योर आइंटमेंट
- हजम टेबलेट
- अंजू कफ सायरप
- अर्शोमृत टेबलेट
- सुगम चूर्ण
- पाचक चूर्ण
- नारी रसायन

आप हमारे उत्पादन MRP. से आधे दाम पर प्राप्त करें और MRP.पर बिक्री करें।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे-
नवीन झा
अंजू फार्मास्यूटिकल्स

111/112 अलंकार चेम्बर्स, रतलाम कोठी, ए.बी. रोड, इंदौर- 452001- (म.प्र.)
मोबाइल नंबर- 09425062415

माँ शारदा की पुराणोक्त विवेचना

ऋगवेद में वाग्देवी का नाम सरस्वती है तथा वाणी और विद्या प्रदान करने वाली है। इनका निवास तीनों लोक में है। तंत्र शास्त्र में इन्हें 'तारादेवी' के रूप में जाना जाता है। तारा के तीन स्वरूप है? उग्रतारा 2, एकजटा, 3 नील सरस्वती। तारादेवी पूर्ण रूप से लक्ष्मी और वाकसिद्धि प्रदान करने वाली देवी है। संगीत कला में इन्हें 'स्वरात्मिका' भी कहा जाता है क्योंकि इनकी आराधना सप्तसुर सा, रे, ग, म, प, ध, नि से होती है इस कारण देवी को सरस्वती कहा गया है।

सरस्वती देवी का प्राकट्य भगवान श्रीकृष्ण की जिह्वा के अग्रभाग से हुआ और नारायण को इन्हें समर्पित कर दिया। नारायण की तीन पत्नियां लक्ष्मी, गंगा और सरस्वती थी गंगा व सरस्वती के आपसी मनमुटाव ने एक-दूसरे को नदी बन जाने का श्राप दे दिया। नारायण को जब ज्ञात हुआ तब उन्हें कष्ट पहुंचा। नारायण की आज्ञा से सरस्वती अपने अंश रूप में भारत भूमि पर अवतीर्ण होकर 'भारती' कहलाई और अपने अंश रुप से ही ब्रह्माणी की प्रिय पत्नि बनकर ब्राह्मी कहलाई। किसी कल्प में सरस्वती ब्रह्माजी की कन्या के रूप में भी अवतीर्ण हुई और आजीवन कोमार्य व्रत का पालन करती हुई ब्रह्मा की सेवा में लगी रही।

जब ब्रह्मा के मन में अपना तीर्थ स्थापित करने का विचार आया तो एक रत्न रवान्चित शिला को पृथ्वी पर गिराया। यह शिला अजमेर के पास 'पुष्कर तीर्थ' के नाम से प्रसिद्ध हुई। तीर्थ स्थापना के उपरान्त पवित्र जल सरोवर बनाने के लिये आवाहित किया। नारायण व ब्रह्मा की आज्ञा से सरस्वती, सावित्री, गायत्री और यमुना के साथ हिमालय पर्वत पर चली गई और वहां से नदी का रूप धारण कर भूतल पर प्रवाह हुई। मुनिगणों के भय से बचने के लिये इन्होंने पंचधारा का रूप धारण कर लिया इस कारण भू लोक में आप पंच श्रोता के नाम से प्रसिद्ध हुई। अपनी एक धारा से विघ्नों को दूर करते हुए मुनिगणों को स्नान, ध्यान, तर्पण की सुविधा प्रदान की। ब्रह्मा की आज्ञा से इन्हें किसी योग्य संत के मुख में कवित्त शक्ति रूप में मार्ग खोजने हेतु जाना था किन्तु इन्हें ऐसा संत पृथ्वी पर नहीं मिला। त्रेतायुग में आप भ्रमण करती हुई तमसा नदी के किनारे भ्रमण करने लगी। उस समय इस तट के किनारे महर्षि वाल्मिकी अपने शिष्यों के साथ रहते थे। एक दिन एक व्याध ने एक पक्षी को अपने बाण से घायल कर दिया था यह कोंच पक्षी कराह रहा था महर्षि ने उसे उठाया उसकी सेवा श्रुषुक्षा की इससे पक्षी को राहत मिली वह उड़ने योग्य हो गया। यह दृश्य सरस्वती ने देखा, उसी क्षण देवी ने वाल्मिकी के मुंह में प्रवेश किया। वाल्मिकी के मुंह से अकस्मात श्लोक निकल पड़ा 'माँ निषाद प्रतिष्ठां त्वम गमः शाश्वती समाः। यत्र क्रोंच मिथुना देव कम वधीः काम मोहितम् । यह श्लोक माँ शारदा की कृपा का फल था और देवी कृपा से आप आदि कवि के नाम से प्रसिद्ध हुए।

माँ शारदा का बीज मंत्र है-

"ऊं श्री हीं हसौः महा सरस्वत्यै नमः।।"

इस मंत्र का प्रतिदिन 21 जप जो भी व्यक्ति मन लगाकर करता है उसकी बुद्धि कुशाग्र होकर सर्व कामना सिद्ध होती है। ।। इति।।

प्रस्तुतकर्ता - मोहित रावल
ई-209, आयरिश भवन मगर पट्टा,
हडपसर, पुणे मो. 09011083341

अल्प बचत योजनाएं यानी शुद्ध फायदा

अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई को वहां लगाए जहां वह सुरक्षित हो, और दे सबसे ज्यादा फायदा

आयकर में छूट, आपकी रकम सुरक्षित, अधिक ब्याज

योजनाए- (१) राष्ट्रीय बचत पत्र N.S.C. (२) किसान विकास पत्र (३) मासिक आय योजना ८ प्रतिशत ब्याज (४) सावधि जमा (५) वरिष्ठ नागरिक ५ वर्षीय खाता ९ प्रतिशत ब्याज

अधिकृत एजेन्ट- कृष्णकान्त शुक्ल
सी-५९ अभिलाषा कालोनी, देवास रोड,
उज्जैन फोन २५११८८५

रक्तपात के कारण ही हुआ मन्दसौर से पलायन

मन्दसौर में हुए रक्तपात का दूसरा विवरण- पूर्व विवरण में मन्दसौर पर अलाउद्दीन का आक्रमण एवं उसके द्वारा किया गया रक्तपात दशोरों के मन्दसौर से पलायन का कारण बताया गया है किन्तु इसका एक दूसरा विवरण भी प्राप्त हुआ है जिसे यहां दिया जा रहा है। यह विवरण 'नई दुनिया' पत्र में 6 दिसम्बर 1976 को मन्दसौर में हुए दशोरा सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित हुआ था। इस लेख के अनुसार मन्दसौर में मुस्लिम शासनकाल में एक किले का निर्माण आरंभ किया। किले की नींव में एक ही परिवार की सात कुंआरी कन्याओं की बली की आवश्यकता थी। इस हेतु नगर में केवल दशोरा जाति के एक परिवार में सात कन्याएं पाई गई।

शासक के मांगने लालच देने पर भी जब ये कन्याएं उसे प्राप्त न हो सकीं तब विदेशी शासक द्वारा पता लगाया गया कि इतना बड़ा ब्राह्मण समुदाय श्रावणी कर्म के लिए एक दिन सामूहिक रूप से नदी पर रहता है। घरों पर केवल स्त्रियां व बच्चे ही रहते हैं। फिर श्रावणी कर्म के समय यज्ञोपवित बदलते समय मंत्र सिद्ध नहीं होते। ऐसे अवसर का लाभ उठाकर मुस्लिम शासकों ने जबरदस्ती घर में जाकर उन कुंआरी कन्याओं को लाकर महल की नींव में बलि दे दी। उसी समय शिवना तट पर श्रावणी कर्म में रत ब्राह्मणों को सेनाओं द्वारा तलवार के घाट उतार दिया गया। शिवना का जल रक्त में परिणित हो गया। नगर में हाहाकार मच गया औरतें बच्चों को लेकर जान बचाकर भागी। कुछ राजस्थान की ओर तथा कुछ मालवा निमाड़ की ओर। लेकिन सरदारों द्वारा वहां भी उनका पीछा किया गया। जो लोग सुरक्षित पहुंच गये और जिनका सेना द्वारा पीछा नहीं किया जा सका वे ब्राह्मण ही रहे थे। जहां पीछा किया गया वहां उन्होंने अपने आपको ब्राह्मण न बतलाकर वैश्य बतलाया जिससे उन्हें छोड़ दिया गया। ये दशोरा वैश्य भी वास्तव में ब्राह्मण है। इस रक्तपात में बतलाते हैं कि 1-1/4 मन यज्ञोपवित का ढेर नदी के तट पर एकत्रित किया गया। (पूर्व में 74-1/4 मन बताया गया है वह अतिश्योक्ति ही है) इस प्रकार मन्दसौर नगर दशोरा विहीन हो गया इस पर दशोरों ने प्रतिज्ञा की कि वे नगर में नहीं आयेंगे व शिवना नदी का जल नहीं पीयेंगे क्योंकि इस जल में उन्हीं का खून है।

मन्दसौर पर अन्य आक्रमण- ऐतिहासिक प्रमाणों के आधार पर मन्दसोर पर यवनों के आक्रमण का एक वर्णन 'वीर विनोद' पृष्ठ 326 पर इस प्रकार दिया है- 'विक्रम सम्वत् 1512 (सन् 1455) में मन्दसौर लेने के वास्ते महमूद खिलजी ने चढ़ाई की। उस वक्त फौज को मन्दसौर भेजकर आप अजमेर की ओर रवाना हुआ। फौज ने वहां जाकर किले को घेर लिया। वहां गजाधर किलेदार किले के बाहर आया और बड़ी बहादुरी के साथ दुश्मनों को मारकर काम आया। बादशाह ने किले पर कब्जा किया और वहां की हुकूमत ख्वाजिह नियमतुल्लाह को देकर आप माडलगढ़ की ओर चला गया।)

(नोट- इस विवरण के आधार पर महमूद खिलजी ने मन्दसौर पर विक्रम संवत् 1512 में चढ़ाई की थी। उस समय वहां राजपूतों का शासन था। दशोरा जाति का मेवाड़ में आगमन वि.सं. 1358 के आसपास सिद्ध होता है। अतः दशोरों का मन्दसौर से पलायन इस आक्रमण से पूर्व ही हो चुका था। इस पुस्तक के 10 वें प्रकरण में 'दशोरों की तहकीकात' के अन्तर्गत भी दशोरों का मेवाड़ में आगमन तेरहवीं शताब्दी बताया गया है। इसलिए उक्त आक्रमण का सम्बंध दशोरों के पलायन से नहीं है। **-सौ. शीला जगदीश दशोरा**

लघु कथा स्नेह-सिक्त

छह वर्षीय बंटी स्कूल जाते समय माँ को हर रोज बहुत तंग करता है। न सुबह जल्दी उठता है, न जल्दी तैयार होता है और न ठीक से नाश्ता करता है। माँ चिल्लाती रहती है, मगर उस पर कोई असर नहीं होता। आज भी बंटी परेशान करने लगा तो माँ चिल्लाई- 'जल्दी से ब्रश कर ले, वरना पिटाई कर दूंगी। न मानने पर माँ ने बंटी की पीठ पर दो-तीन जमाए, पर धौल की ध्वनि किसी को सुनाई नहीं दी। हाथ तेजी से उठता तो था, लेकिन पीठ तक आते-आते धीमा पड़ जाता था। बंटी हंस रहा था- 'ऐसे दो-चार धौल और पड़ जाए तो मजा आ जाए।

-सूर्यकांत नागर

शैलेष जोशी
M. 99772-37237

शिव जोशी
M.98265-74147

जोशी
स्टेशनरी, जनरल एवं रिचार्ज स्टोर्स

42/10, स्टेशन रोड़, राऊ, इन्दौर (म.प्र.)
फोनः दुकान 2856615, नि.2856515, मोबाईल (शेलेष) 99772-37237, 94240-53997

स्मृति शेष-श्री अनोखीलालजी नागर

धर्म-कर्म के पथ पर चलते रहे...

उज्जैन। स्वयं ने इच्छा मृत्यु का आह्वान किया, अपने अन्तिम प्रयाण की घोषणा अगोचर दृष्टा संत स्वरुप नागर समाज के पितृ पुरुष श्री अनोखी लालजी नागर का प्रभु मिलन 30 अप्रैल 09 गुरुवार रात 9.15 पर हो गया। पुण्यात्मा, जीवन को जिया ही नहीं, संसार को दिया बहुत, जिनके हाथों में करम, आंखों में शरम, जुबान से नरम, दिल में रहम, कर्म से धरम करते पुण्य की फसल उपजा कर इहलोक व परलोक को अपना बना गये। जिसकी क्षतिपूर्ति असम्भव है। उनका तप साधना आराधना उपासना अनवरत 16-16 घन्टे माँ गायत्री का जप, भगवत स्मरण चलता ही रहता था। सरल सहज विनम्रता की प्रतिमूर्ति सदा प्रसन्न चित्त आत्मियता से ओतप्रोत अनुशासन प्रिय नेतृत्व क्षमता के धनी दृढ़ प्रतिज्ञ को मानव नहीं देव कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी पूर्वाभास होते ही 12 अप्रैल 09 से अन्नजल का स्वेच्छिक परित्याग आपकी मोक्ष भावना आमना व कामना का घोतक मोक्ष प्राप्ति की अन्तिम उपासना ही कहा जा सकता है ऐसे दिव्य पुरुष को सादर नमन, विनम्र श्रद्धांजलि।

मन से निर्मल काम से मतलब, नेकी का संयोग।
ऐसे देव पुरुष को, अमर मानते लोग।।

आपका जन्म रंथभंवर (शाजापुर) निवासी स्व. श्री नाथुलालजी नागर मुनीमजी माता स्व. शारदा देवी के आंगन में अश्विन कृष्ण पक्ष 13 सन् 1923 को हुआ। जन्म से विलक्षण प्रतिभावान होने से नामकरण 'अनोखीलाल' किया गया। आपने संघर्षशील जीवन में पारिवारिक जुम्मेदारी का निर्वहन बखूबी किया नाम के अर्थ को अपने आचरण से सार्थक किया। परिणाम स्वरूप परिवार में सबसे छोटे होते हुए भी समाज व क्षेत्र में आप ही का नाम जाना पहचाना जाता रहा। 10 वर्ष की अल्पायु में रंथभंवर से उज्जैन आकर नजर अली मिल में कार्य करने लगे। कुछ ही समय में श्रम प्रतिनिधि मजदूर प्रतिनिधि अध्यक्ष-श्रमिक सोसायटी, सुपरवाइजर एवं पर्यवेक्षक के पदों को सुशोभित करते रहे। इस प्रकार कार्य कुशलता, नेतृत्व क्षमता एवं कर्तव्य निष्ठा का परिचय दिया। नजर अली मिल बन्द होने से आप विनोद मिल में कार्यरत रहे। जहां आप कई बार श्रेष्ठ कार्य के लिए पुरस्कृत होते रहे। स्वतन्त्रता आन्दोलन में भी बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे। दिल्ली यात्राएं व जेल भरो आन्दोलन में आपने सक्रिय भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के भी आप निष्ठावान कार्यकर्ता रहें। मिल मजदूर सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष रहते गरीबों व जरुरतमंदों को हर प्रकार की सहायता करते रहे। 1984 में वरिष्ठ पर्यवेक्षक के पद से सेवा निवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति पश्चात 'मुनीम' के कार्य की जिम्मेदारी को 2002 तक निभाते रहे। 1986 में सपरिवार तीर्थाटन कर अपने व परिवार के जीवन को धन्य किया। परिवारिक पृष्ठ भूमि में आपके ज्येष्ठ भ्राता स्व. श्री अनन्त नारायण का कैंसर से 1966 में आकस्मिक निधन व आपके अनुज स्व. श्री गोकुलप्रसाद नागर का रेलवे दुर्घटना में 1954 में असामायिक देहावसान आपको झकझोर गया। पारिवारिक जिम्मेदारी का समस्त भार आप पर आ गया। जिसे आपने सुझबुझ के साथ बखूबी निभाया। आपका विवाह लसुड्डिया ब्राह्मण के लोकप्रिय वैद्य पं. दुर्गाशंकरजी नागर (शुक्ल) की पुत्री सौ. कान्ताबाई से हुआ किन्तु 1960 में आप कैंसर से पीड़ित से काल का ग्रास बन गई। तत् पश्चात सन् 1963 में माकड़ोन निवासी वैद्य पं. मांगीलालजी नागर की ज्येष्ठ पुत्री सौ. पार्वती बाई नागर से विवाह हुआ। इन्हीं उतार-चढ़ावों के रहते आपने अपनी समस्त जवाबदारियां धैर्य व साहस के साथ निभाई।

सामाजिक जीवन में आप नूतन विचारों को प्राथमिकता देते रहे। पिताश्री के निधन के समय 1980 में पगड़ी रस्म के समय मामा व ससुराल पक्ष के अलावा प्राप्त राशि व सामान को समाज को दान कर एक अनुकरणीय उदाहरण समाज के सामने रखा जो आज सबके लिए मान्यता के रूप में स्वीकार्य है।

सामूहिक विवाह के प्रणेता आपने प्रथम आयोजन के अवसर पर अपने सुपुत्र महेश नागर का विवाह सामूहिक विवाह समारोह में प्रथम जोड़े के रूप में स्वीकृति प्रदान कर समाज के सामने एक मील का पत्थर स्थापित किया। जिसकी समाज के वरिष्ठजन कई वर्षों से योजना ही बना रहे थे। सामाजिक कार्य में सदैव सहयोग के लिए अग्रसर रहते थे। तन-मन-धन से समाज की सेवा करना आपका परम धर्म रहा है। आत्मियता की प्रतिमूर्ति के रूप में आज हमारे बीच आपका कोई विकल्प नहीं है आपकी यादें हमारे जीवन का आधार है निहंकारी आपका व्यक्तित्व व कृतित्व हमारा अवलम्बन है। इस अपूरणीय-क्षति की पूर्ति संभव नहीं है। देह-अवसान क्षण भंगुर संसार की नियति है।

आपके आचरण कर्म-धर्म-मर्म को भुलाया नहीं जा सकेगा। भले ही आप हमारे बीच न हो किन्तु आपके विचार, आचार एवं आदर्शों से आपकी सुक्ष्म उपस्थिति का आभास होता रहेगा। हमारे प्रेरणा पुन्ज बन हमें आलौकित करते रहेंगे। भगवान श्री हाटकेश्वर उन्हें विष्णु लोक में वास दें। इस परिवार को असहाय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मृतात्मा को शान्ति प्रदान करें। जय हाटकेश वाणी व दैनिक अवन्तिका परिवार इन्दौर-उज्जैन की ओर से एवं हम सब की ओर से विनम्र श्रृद्धांजलि।

प्रस्तुति- रमेश रावल डेलची (माकडोन)

पं. श्री लक्ष्मीनारायणजी रावल की पुण्यतिथि

'स्मृति दिवस' के रूप में मनाई गई

रतलाम। रतलाम जिले के सेलाना विकास खण्ड में श्री भवानीशंकर रावल के सुपुत्र स्व. श्री लक्ष्मीनारायणजी रावल का जन्म 20 दिसम्बर 1925 को सैलाना में हुआ तथा लालन-पालन व शिक्षा भी अपने गृह नगर सैलाना में हुई। सैलाना में ही आपका पदांकन मप्र. शासन के पंचायत विभाग में पंचायत इंस्पेक्टर के रूप में हुआ। आपका विवाह पश्चिम रेलवे में सहायक परिचालन प्रबंधक रहे स्व. श्री अम्बाशंकरजी जोशी की ज्येष्ठ कन्या सुशीला के साथ सम्पन्न हुआ। श्री रावल जन्म से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। विपरित परिस्थितियों में भी आपने स्नातक शिक्षा प्राप्त कर उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करते हुए सम्प्रेषण गृह अधीक्षक के पद पर पदोन्नती प्राप्त की। अपने सेवाकाल में आपने पंचायत इंस्पेक्टर जिला ऑडिटर जैसे पदों पर सैलाना, गरोठ, शाजापुर, मेघनगर, कालापिपल, बड़वानी विकास खण्ड तथा झाबुआ एवं रतलाम जिले में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की। वर्ष 1985 में आप मप्र शासन की सेवा से सेवानिवृत्त हुए व 324 काटजूनगर रतलाम को अपना स्थायी निवास चुना।

सेवानिवृत्त होने के पश्चात श्री रावल ने सेवा-निवृत्त कर्मचारियों की समस्याएं हल करने का बीड़ा उठाया तथा सेवानिवृत कर्मचारियों में अपनी कार्यशैली के कारण एक विशिष्ट जगह बना ली। सेवा निवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की मांग शासन के सम्मुख प्रभावी ढंग से रखने हेतु आपने 'रतलाम जिला पेन्शनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में आपने कई सेवानिवृत कर्मचारियों की समस्याएं जिला स्तर, संभाग तथा प्रांतीय स्तर के अधिकारियों से सम्पर्क कर हल की जिससे अनेक पेंशनर्स लाभान्वित हुए। इसी तारतम्य में कार्य करते हुए श्री रावल ने दिनांक 23 अप्रैल 2003 को भोपाल में अंतिम सांस ली। पेंशनर्स ऐसोसिएशन को अपने कुशल अध्यक्ष के खो जाने का बहुत गम हुआ। तब से श्री रावल के अच्छे कार्यों को स्मरण करते हुए रतलाम जिला पेंशनर्स एसोसिएशन अपने संस्थापक अध्यक्ष स्व. श्री लक्ष्मीनारायणजी रावल की पुण्य तिथि प्रतिवर्ष 'स्मृति दिवस' के रूप में मनाते हैं।

इस वर्ष भी उक्त स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि का आयोजन महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोठारीवास रतलाम में पेन्शनर्स एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष श्री सुबेदार सिंह द्वारा रखा गया। इस अवसर पर आयोजित सभा की अध्यक्षता डॉ. जैन ने की तथा संचालन श्री कटारियाजी ने किया। श्री रविशंकर दवे, श्री विष्णुदत्त नागर आदि ने श्री रावल के कार्यों को याद करते हुए उनके जुझारु व्यक्तित्व व विलक्षण कार्यशैली पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस कड़ी में श्री रावल के सुपुत्र श्री एम.एम. नागर पुत्री श्रीमती मधु शर्मा ने भी सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्यगण व परिवारजन उपस्थित रहे व श्री रावल को भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की। **-प्रमिला त्रिवेदी**

कुछ भी नहीं

मोहरे उसके, चाले उसकी, जीत भी उसकी।
कोई खिलाड़ी, कोई शातिर, कुछ भी नहीं।।
तोल उसका, मौल उसका, सौदा भी उसका।
कोई बाजार, कोई बेजारी, कुछ भी नहीं।।
तीर उसका, निशाना उसका और शिकार भी उसके।
कोई रथी, कोई महारथी, कुछ भी नहीं।।
दर्द उसका, तकलीफ उसकी, दवा भी उसकी।
कोई इलाज, कोई मसीहाई, कुछ भी नहीं।।

जिस दरख्त पर कोई पत्ता नहीं होता
उसे पतझड़ का कोई डर नहीं होता।
सारी कायनात में उसकी बसर रहती है
जिसका अपना कोई घर नहीं होता।।

खुदा मुझको इतनी खुदाई न दे
कि अपने सिवाय कोई दिखाई न दे।।

संकलन- उर्मिला मेहता
बी 21/17, महानंदानगर उज्जैन मो. 9300115560

लघु कथा

ईश्वर! तेरी लीला अपरंपार

राजेश ने फुटपाथ पर ही साइकिल टिका दी और ऊपर चला गया। लंगोटिया मित्र तिवारी के साथ घंटों बतियाता रहा। जब तिवारी के साथ नीचे आया तो बातचीत करते हुए उसी के स्कूटर पर बैठकर उसके साथ हो लिया। घूमते हुए तिवारी उसे उसके घर छोड़ गया। तभी छोटे बेटे ने साइकिल के बारे में पूछ लिया। राजेश ने माथा ठोक लिया। अरे, वह तो तिवारी के घर के नीचे ही खड़ी रह गई। उसमें ताला भी नहीं लगा है। पता नहीं, अब तक वहां होगी भी या कोई...! भीड़-भरी सड़क पर साइकिल का सुरक्षित रह पाना मुश्किल ही है। आजकल तो इस शहर में नजर फेरते ही लोग माल उड़ा लेते हैं। वह भागा। बस पकड़कर चार किलोमीटर दूर तिवारी के घर पहुंचा तो देखा, साइकिल अभी भी वैसी ही खड़ी है। खुशी उसकी आंखों से फूट पड़ी। उसने ईश्वर को धन्यवाद दिया- तू सचमुच महान् है। अपनी कृतज्ञता ज्ञापन करने के लिए वह समीप के हनुमान मंदिर पहुंचा, सवा किलो प्रसाद चढ़ाने। मंदिर में भक्तजनों की भीड़ थी। उसने साइकिल में ताला लगाया और भक्तों की भीड़ में खो गया। कोई पन्द्रह मिनट बाद लौटा तो पाया, साइकिल गायब है।

-सूर्यकांत नागर

एक-दूजे के लिए बने, परिणय सूत्र में बंधे

उदयपुर (राजस्थान)। चि. श्री सौरभ (बी.कॉम., एम.बी.ए.) सुपुत्र-श्रीमती अनुभा पति श्री शरदचंद्र नागर सुपौत्र- श्रीमती जमना देवी पति स्व. श्री नवनीतलालजी व्यास का शुभ विवाह सौभाग्यकांक्षिणी भूमिका सुपुत्री श्रीमती मीरा पति श्री रमाशंकरजी नागर निवासी भगवत गढ़ के साथ दिनांक 28-4-2009 को राज पैलेस, रणथम्भौर रोड सवाई माधोपुर (राजस्थान) में उल्हासपूर्ण आनन्दातिरेक संस्कारित वातावरण में सम्मानपूर्वक सानंद सम्पन्न हुआ। समाज के गणमान्य अतिथियों ने सुखी दाम्पत्य जीवन के प्रति आशीर्वाद प्रदान किये। इसी प्रकार उदयपुर नागर समाज के परिजनों में 30-4-2009 को आशीर्वाद समारोह में नव दम्पति को सांसारिक जीवन के कर्म क्षेत्र में पहला कदम रखने पर आशीर्वचनों की वर्षा से इस संध्या को गरिमामय आनन्दपूर्ण वातावरण में परिणित किया। बधाई हो।

❋ चि. श्री नीरज सुपुत्र श्रीमती रश्मि पति स्व. श्री नरेन्द्र कुमार नागर भतीजा (श्रीमती कुसुमलता-मुकुन्दलाल नागर-श्रीमती शारदा-गणेशलाल नागर) का शुभ विवाह सौभाग्यकांक्षिणी क्षिप्रा सुपुत्री श्रीमती मीनाक्षी पति श्री प्रवीण याज्ञिक निवासी आगरा के साथ दिनांक 2-5-2009 को सोलिटेयर हाटेल एम.जी. रोड आगरा (उ.प्र.) में संस्कारित वातावरण में सानंद सम्पन्न हुआ। उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने वर-वधू को सफल सुखी वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वचनों से सराबोर किया। तदनुरूप उदयपुर में दिनांक 5-5-2009 को आयोजित आशीर्वाद समारोह में नागर समाज के परिजनों ने नवपरिणित वर-वधू के जोड़े को आशीर्वाद की झड़ी से पूर्णतया आच्छादित कर दिया। समारोह स्वयं में खुशनुमा वातावरण लिए अनूठा रहा। बधाई हो। **-पुरुषोत्तम जोशी**

इस बार सादगी से मनी हाटकेश्वर जयंती

उदयपुर (राज.)। नागर समाज (नागर मंडल संस्थान गणगौर घाट) उदयपुर (राजस्थान) में दिनांक 8 अप्रैल 2009 को नागर वाड़ी में स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर में, हाटकेश्वर जयंति उत्सव हाटकेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना अभिषेक एवं भजन-संध्या आयोजित कर, प्रसाद वितरण के साथ सामान्य तौर पर प्रभू-कुलदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर सफलता से मनाया। समाज में निकट विगत में कतिपय दुखद घटनाएं घटित होने से इस वर्ष आयोजन भव्यता व विशिष्टता से रहित रखा गया। उत्सव में समाज के सभी परिवारों की उपस्थिति सराहनीय रही।

-श्रीमती मोनिका नागर

श्री चिरंजीलाल नागर का निधन

उदयपुर (राजस्थान)। श्री चिरंजीलाल कन्हैयालाल नागर भूतपूर्व अध्यक्ष एवं सचिव नागर समाज उदयपुर का दिनांक 25-3-2009 को निधन हो गया। आपने नागर समाज को आगे बढ़ाने, विकसित करने तथा गतिविधियों के साथ एकजुटता के प्रति जागरुकता जगाने की दिशा में सराहनीय योगदान दिया। इनके निधन को समाज एक अच्छे सम्मानीय सदस्य की क्षति समझता है। इन्हें नागर बंधुओं ने सादर श्रद्धांजलि अर्पित कर आत्मशांति के लिए प्रार्थना की।

-श्रीमती मोनिका नागर

सही वक्त पर सही सलाह

धन का अपव्यय रोककर सही जगह खर्च करें

मई 2009 के जय हाटकेश वाणी में प्रकाशित लेख 'जरुरत में काम आ जाए वही व्यवहार' अच्छा लगा। उसी संदर्भ में बात को आगे बढ़ाना चाहती हूं। आजकल शहरों में शादी-ब्याह में काफी धन दिखावे के लिए खर्च किया जा रहा है। रीति-रिवाज के नाम पर फिजुलखर्ची, मेहमानों की जरुरत से ज्यादा आवभगत, देखादेखी, बारातियों को 2-3 बार मालाएं पहनाना। नाश्ते तथा भोजन में 2-3 बार मिठाई रखना (जबकि आजकल लोग ज्यादा मिठाई नहीं खाते) कई लोग प्लेट में मिठाई एवं महंगा खाना झूठा छोड़ देते हैं इन सब फिजुलखर्ची पर रोक लगाना जरुरी है। शादी-ब्याह में बारातियों की अपेक्षा भी बढ़ गई है तथा लड़की वालों पर बोझ दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे में कुछ बदलाव जरुरी है। हमारा नागर समाज रुढ़ीवादी नहीं है। समाज के लोग परंपराओं को लोगों के हित में बदलने के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे समाज में विधवा विवाह, तलाकशुदा का पुनर्विवाह सामान्य बात है। ऐसे में हम शादी ब्याह में होने वाली फिजुलखर्ची में कटौती करके उस धनराशि को समाज कल्याण के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। परम्परा बदलने की शुरुआत समर्थ लोगों से ही होती है। इस प्रयास से मध्यम वर्ग के लोग बेटी को शादी के नाम पर होने वाले तनाव और आर्थिक बोझ से बच सकते हैं। 'जय हाटकेश वाणी' के माध्यम से हम सब उपरोक्त विषय में अपने विचार प्रस्तुत कर जनमत बनाएं। इस विषय पर चर्चा-परिचर्चा का आयोजन हो, निबंध स्पर्धा का आयोजन कर सकते हैं। अन्य जातियों की तरह हम भी सामूहिक विवाह का आयोजन करें। जिससे शादी-ब्याह एक तनावपूर्ण कार्यक्रम न होकर एक उत्सव की तरह दोनों पक्ष उल्लासपूर्वक मनाएं लोगों में आपसी मतभेद न होकर स्नेह और सद्भावना बढ़े। इस बारे में लोगों में जागरुकता का विकास हो ऐसे प्रयास किए जाना चाहिए।

उषा ठाकोर मुम्बई मो. 9833181575

परिचय की महिमा

परिचित जब अनजाने हो जाये
तो परिचय की बुनियाद हिल जाये
व्यक्ति, परिवार भी बनते है परिचय से
नींव के पत्थर खिसके तो सितम हो जाये
इमारत की बुलंदी परिचय की नींव पर
सहज सा प्रचलन भी परिचय की नींव पर
स्वाभिमान की सीमा यदि घमंड हो जाये
तो दिखने वाला सुन्दर फल मौसंभी सा बट जाये
बात हम करते हैं वसुधैव कुटुम्ब की
लेकिन कुटुम्ब को छोड़ चलते भी खुद ही
बूंद भी यदि तरल परिचित नहीं होती
तो पीड़ित हो स्व कर्म से अस्तित्व है खोती
बूंद आपस में परिचित हो एक हो जाये
तो सागर के मन्थन हित इष्ट आ जाये
सागर के मन्थन से कई रत्न मिलते हैं
विषपायी को विष व अमरत्व बंटते है
लाओ हमें दो विष हम धारण कर लेंगे
आपको मिले अमृत हम अमन वर लेंगे

-व्रजेन्द्र नागर, इन्दौर

परिचय से सम्बंध, सम्बंध से रिश्ते

मालवी में कहावत है कि 'भाटो फेंकी दो, तो उससे भी काम पड़ी जाए' अर्थात जीवन में किसी से भी बैर-भाव, दुश्मनी मत करो। कब, कहां, किससे काम पड़ जाए पता नहीं। पाठकों, आज का विषय है, विषय ही नहीं मौसम है, नागर समाज इन्दौर जब परिचय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। तो इस परिचय की 'महिमा' कम नहीं है। परिचय से सम्बंध बनते हैं तथा सम्बंध से ही रिश्ते बनते हैं। विवाह योग्य युवक-युवती के परिचय से रिश्तों का सृजन होता है। सम्बंध के प्रतिफल स्वरूप जो विवाह होता है, तो वह केवल युवक-युवती के बीच होता है लेकिन एक विवाह कितने रिश्ते जोड़ता है यह तो सोचिये। वधू के मामा, बुआ, काका सारे रिश्तेदार वर के भी रिश्तेदार हो जाते हैं तथा वर के सभी रिश्तेदार वधू से ऐसे जुड़ जाते हैं जैसे उनका जन्म-जन्मांतर का बंधन हो। एक विवाह एक फलदार वृक्ष की तरह होता है जिसमें अनेक रिश्तों के फल लगते हैं। जिनसे जीवन में कभी कोई पहचान नहीं थी, मुलाकात नहीं थी वे अपने बन जाते हैं। इसी प्रकार आम जीवन में भी परिचय और सम्बंधों की खेती बढ़ती, लहलहाती है। एक मित्र परिचय के माध्यम से मिले तो उनके जितने भी मित्र है वे हमारे भी मित्र हो जाते हैं, दुःख-सुख के साथी हो जाते हैं। ये परिचय व्यवसाय के मार्फत भी होते हैं तथा समाज के मार्फत भी। किन्तु हम इनका जितना विस्तार करते जाते हैं। उतने ही लाभान्वित होते हैं। सम्बंधों एवं मित्रों की यह श्रृंखला जितनी बढ़ती जाती है, कोई शासकीय विभाग में है, कोई अस्पताल में है, कोई अफसर है, नेता है, पत्रकार है। अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े लोग हमारे मित्र बनते जाते हैं तथा जैसा कि ज्ञातव्य है कि ये रिश्ते दुःख-सुख में साथ देने के लिए बने हैं, तो हमारा जीवन कितना आसान हो जाता है। जहां भी काम पड़ा तो ये सम्बंध काम आते हैं, वहां भी जहां बाकी सब चीजें काम नहीं करती, पैसा भी नहीं। वहां सम्बंध काम आते हैं। जरुरत इस बात की है कि हम परिचय करें, सम्पर्क करें और सम्बंध बनाएं। सम्बंधों की खेती को लगातार सम्पर्क का पानी दें तथा उससे प्राप्त फल का लाभ उठावें। जैसे एक विवाह से अनेक रिश्तेदार मिलते हैं, उसी प्रकार एक मित्र से अनेक मित्र भी तो मिलते हैं। सबसे सम्बंध बनाए रखो, किसी से बैर भाव मत रखो। कईं मालम कद किससे काम पड़ी जाये, गर्मी का मौसम में कचरा में आयो भाटो घर का बाहर फेंकी दियो, ने जद ठंड आय तो? मेल निकालने का वास्ते बदन घिसने के उनाज भाटा की जरुरत पड़ी जाय।

-संगीता शर्मा

प्रकाशन सामग्री 25 तक

सभी पाठकों से निवेदन है कि वे अपनी प्रकाशन सामग्री प्रतिमाह 25 तारीख से पूर्व भेज देवें। पत्रिका का डिस्पैच प्रतिमाह 6 तारीख को किया जाता है। निर्धारित तिथि तक यदि आपको 'जय हाटकेश वाणी' न मिले या आपका पता परिवर्तन हो तो केवल मो. 9425063129 पर सम्पर्क करें।

-सम्पादक

सदस्यता आवेदन पत्र

मैं.....

पूरा पता (पिनकोड सहित).....

.....

मासिक जय हाटकेश वाणी का तीन वर्ष हेतु सदस्य बनना चाहता हूँ। जिसके लिए निर्धारित शुल्क 250/-रु. नगद/चैक/ ड्राफ्ट द्वारा निम्नलिखित पते पर भेज रहा हूँ। मैंने यह शुल्क आपके खाते पंजाब नेशनल बैंक A/C नं. 0212002100245085 में जमा किया है।

श्रीमान संपादक महोदय

मासिक जयहाटकेश वाणी

20, जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार) इन्दौर

फोन. 2450018 फैक्स-2459026 मो.9425063129

Email-manibhaisharma@gmail.com

jayhotkeshvani@gmail.com

काका साहेब दीक्षित

धारावाहिक/सांईबाबा के परम भक्त काका साहेब

मैं अपनी समाधि से भी क्रियाशील तथा प्रबल रहूंगा

समाधि लेने के बाद क्या हाल हुआ होगा? क्या वे विचलित हो गए थे? क्या उनका विश्वास डगमगा गया था? जी नहीं!

बाबा ने अपने ग्यारह वचनों में स्पष्ट कहा है।

मुझ पर रखना दृढ़ विश्वास
करे समाधि पूरी आस।
मुझे सदा जीवित ही जानो
अनुभव करो सत्य पहचानो

बाबा ने भक्तों को आश्वासन देते हुए कहा था।

'मेरी समाधि उन लोगों से बात करेगी जो मुझे अपना एकमात्र शरणदाता (आधार) समझते हैं।'

'मैं अपनी समाधि से भी क्रियाशील तथा प्रबल रहूंगा।'

'अपनी महासमाधि के बाद भी मैं तुम लोगों के साथ रहूंगा। जब भी कोई भक्त मुझे प्रेमपूर्वक पुकारेगा, मैं आऊंगा। मुझे आने के लिए किसी रेलगाड़ी की आवश्यकता नहीं है।'

बाबा के समाधि लेने के बाद भी दीक्षित व अन्य सच्चे भक्तों का विश्वास अटल रहा। किसी भी प्रश्न का उत्तर जानने के लिए वे बाबा का ध्यान लगाकर उनकी तस्वीर के सामने पर्ची डालते। फिर अचानक किसी छोटे बच्चे को उनमें से एक पर्ची उठाने के लिए कहते। जो भी पर्ची पर लिखा होता, उसे बाबा की आज्ञा मानकर उसका पालन करते। श्रद्धापूर्वक ऐसा करने से सदा सफलता प्राप्त होती है। पर्ची द्वारा बाबा की आज्ञा मानने की एक घटना इस प्रकार है। बाबा की समाधि उपरांत दीक्षित के भाई सदाशिव दीक्षित बी.ए., एल.एल.बी. ने नागपुर में वकालत शुरु करने का प्रयास किया। किन्तु वे असफल हुए। तब दीक्षित ने पर्ची के माध्यम द्वारा बाबा से अपने भाई के रोजगार हेतु सलाह मांगी। पर्ची से सदाशिव को मुंबई चले जाने का आदेश प्राप्त हुआ। वहां भी सदाशिव को कोई नौकरी नहीं मिल पाई। काका, बाबा के सुझाव को झूठा साबित होते देख बहुत हैरान हुए क्योंकि बाबा द्वारा कही बात सदैव सत्य होती है। उन्होंने अपने भाई को मुंबई से किसी अन्य स्थान पर भेजने की सोच ली। दीपावली का त्योहार नजदीक था। इसलिए सदाशिव को मुंबई में ही रुकना पड़ा। उसी दौरान कच्छ संस्थान के संस्थापक दीक्षित के पास आए। उन्हें संस्थान के लिए एक भरोसेमंद अफसर की जरूरत थी, जिसे वे 1000/- का उच्च वेतन भी देने की सोच रहे थे। जब दीक्षित ने सदाशिव का प्रस्ताव उनके समक्ष रखा तो वे तुरन्त राजी हो गए। सदाशिव को उस राज्य का दीवान नियुक्त किया गया। दीक्षित को बाबा के वचनों की सत्यता पर पूर्ण विश्वास हो गया।

बाबा ने अपने वचनों में कहा था-

मैं निराकार और सर्वत्र व्याप्त हूं।

अगर कोई अपना भार मेरे ऊपर डालता है, मेरा स्मरण करता है, उसके सब कार्य मैं स्वयं ही करता हूं और अन्त में श्रेष्ठ गति देता हूं।

हां, तुम अपनी परेशानियां/भार मुझ पर डाल सकते हो।

मेरे भक्त के घर अन्न तथा वस्त्रों का अभाव नहीं होगा।

तुम सब भक्त मेरे बच्चे हो। मैं तुम्हारा पिता हूं। तुम्हें इस तरह नहीं कहना चाहिए (कि साई भगवान नहीं है)।

तुम चिन्तित क्यों हो? मैं तुम्हारी हर प्रकार से सहायता करूंगा।

चुपचाप बैठो (उगे मुगे)। जो भी आवश्यक है, उसे मैं करुंगा। मैं तुम्हें भवसागर पार ले जाऊंगा। जाओ। हर वस्तु की पूर्ति होगी।

तुम भयभीत क्यों हो? क्या मैं वहां नहीं हूं (जहा तुम लघुशंका के लिए जाते हो)?

तुम्हें किस बात का डर (भय) है, जब मैं यहां हूं?

जब बच्चा सोता है, तो हमें पास रहकर जागना और ध्यान रखना है, अन्यथा परेशानी होगी।

मैं अपने भक्तों पर कोई विपदा नहीं आने दूंगा। मुझे अपने भक्तों की हर समय चिन्ता रहती है और जब कोई भक्त गिरने को होता है, तो मैं अपने चार-चार हाथ फैला कर उसे बचा लेता हूं। मैं उसे कभी भी गिरने नहीं दूंगा।

देखो, मुझे तुम्हारे कष्टों को दूर करने के लिए उन्हें सहना पड़ता है। मैं तुम्हें मरने नहीं दूंगा। मैं पहले खुद मौत का ग्रास बनूंगा।

वह मेरा है, केवल मेरा।

मैं अकेला ही उसे भवसागर पार कराऊंगा। मेरे सिवाय कौन है?

मैं दिन-रात अपने लोगों के बारे में सोचता हूं। मैं उनका नाम बार-बार लेता रहता हूं।

मुझे हर कदम पर तुम्हारा ध्यान रखना है। न जाने तुम्हें क्या हो जाए, केवल भगवान ही जानता है।

मैं उसे कभी भी भूला नहीं सकता। वो 2000 मील दूर क्यों न हो, मैं उसे याद रखूंगा। मैं उसके बगैर कुछ भी नहीं खाऊँगा।

मैं किसी से नाराज नहीं होता। क्या कोई माँ अपने बच्चों से नाराज होती है? क्या समुद्र नदियों का पानी वापिस भेज देता है? मुझे भक्ति प्रिय है। मैं अपने भक्तों का दास हूं (भक्त पराधीन)।

मैं अपने बच्चों को कैसे निराहार (उपवास) या भूखा रहने दे सकता हूं?

मैं भगवान हूं (अल्लाह)। (क्रमशः)

प्रस्तुति- श्रीमती शारदा मंडलोई

मनोरंजक कार्यक्रमों एवं मंगलाष्टक के साथ मनाई विवाह की स्वर्ण जयंती

इन्दौर। तराना क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार एवं साप्ताहिक न्यूज कवरेज इन्दौर के सम्पादक श्री सत्येश नागर एवं सौ. शकुन्तला नागर (तराना) तथा अनुज दी उज्जैन परस्पर सहकारी बैंक उज्जैन के निवृत्तमान महाप्रबंधक श्री रामकृष्ण नागर एवं सौ. इन्दिरा नागर (उज्जैन) परिवार द्वारा भ्राता द्वय के सफल दाम्पत्य जीवन का स्वर्ण जयंती समारोह गत 10 मई 09 को चाणक्य होटल इन्दौर के सभागृह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 'मंगलाष्टक' से वरिष्ठ दम्पत्ती के भावी, सुदीर्घ, स्वस्थ एवं मंगल मय दाम्पत्य जीवन की शुभकामना भी की गई। प्रातः 9 बजे से आयोजित उक्त स्नेहील समारोह का समापन मध्यांह अपरांह 5 बजे हुआ। समारोह के साक्षी बने ड्रग सहायक कमिश्नर भोपाल श्री आशीष त्रिवेदी (इन्दौर) श्रम न्यायाधीश श्री प्रवीण त्रिवेदी, सांध्य दैनिक अवन्तिका इन्दौर के सम्पादक श्री दीपक शर्मा, जय हाटकेश वाणी इन्दौर की सम्पादिका सौ. संगीता शर्मा, निवृत्तमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री त्रिलोकीनाथ पंचोली, एड्व्होकेट श्री योगेश पंचोली दोनो भोपाल, दैनिक अवन्तिका उज्जैन के सम्पादक श्री सुरेन्द्र मेहता सुमन, डॉ. श्री कृष्णवल्लभ रावल गोधरा (गुजरात) डॉ. राजेश जानी (आणंद) डॉ. जयन्त पोराणिक (देवास) वरिष्ठ पत्रकार श्री हरिनारायण नागर (पीपलरावां) तथा श्री स्वरूप गुप्ता मथुरा वाले। इसके अतिरिक्त अन्य साहित्य प्रेमी, पत्रकार, स्वजन एवं अनेक स्नेहीजनों ने भी वरिष्ठ दम्पत्ति के मंगलमय जीवन की शुभकामना की।

-प्रबल शर्मा

कुर्यात सदा मंगलम्

इन्दौर। आयुष्मान विपुल (सुपौत्र- स्व. श्री पुरुषोत्तमजी नागर सुपुत्र- सदाशिव नागर इन्दौर का विवाह आयुष्मति पूजा (सुपौत्री स्व. श्री नारायणजी रावल सुपुत्री- श्री अशोक रावल नेवरी जिला देवास) के साथ सम्पन्न हुआ। सभी बंधु-बांधवो, रिश्तेदारों ने नवविवाहित जोड़े को सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद दिए।

नागर ब्राह्मण पत्रकारों का सम्मान

इन्दौर। विगत दिनों श्री परशुराम महासभा के तत्वावधान में गांधी हाल में भव्य समारोह में ब्राह्मण पत्रकारों का सम्मान किया गया।

पत्रकारिता जगत को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के साथ-साथ देश के विकास में ब्राह्मण पत्रकारों ने अहम भूमिका का निर्वाह किया, जो प्रशंसनीय है, भगवान परशुरामजी की जन्मभूमि जानापाव के विकास में ब्राह्मण पत्रकारों में उल्लेखनीय सहभागिता की है इसी उपलब्धि स्वरुप नागर ब्राह्मण पत्रकार श्री विनोद नागर (आकाशवाणी) एवं श्री दीपक शर्मा, मनीष शर्मा (अवन्तिका) का सम्मान किया गया। इस अवसर पर महासभा के अध्यक्ष पं. वीरेन्द्र शर्मा, संयोजक डॉ. योगेन्द्र महंत, समन्वय पं. जयप्रकाश शर्मा एवं प्रवक्ता विजय अड़ीचवाल उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि नागर समाज सहित समस्त ब्राह्मण पत्रकारों ने समय-समय पर अपनी रचनात्मक एवं ईमानदार भूमिका अदा की है।

पुण्य स्मरण

डॉ. शरदचन्द्र झा

(दिनांक 26 जून 2000)

हंसमुख, दयालु एवं कर्त्तव्यपरायणता की प्रतिमूर्ति। आपके सद्कार्य एवं सौम्य व्यवहार अमर है।

श्रद्धावनत् समस्त झा परिवार
13 जानकी नगर (एनेक्स) इन्दौर
फोन 3294920, 2401398

द्वितीय पुण्य स्मरण 22 जून 2009

स्व. श्री प्रोफेसर सूर्यप्रकाश नागर

'चिंता मत करो काम हो जाएगा' इन ध्येय शब्दों के आचरण में अपनी कर्तव्य परायणता निभाने वाली शख्सियत को उनका सहयोगी संसार दल आज भी याद करता है। टेनिस में नहीं हारे लेकिन बीमारी का ट्रायबेकर उन्हें ले गया। वनस्पति शास्त्र विशेषज्ञ/ शिक्षा विद्/टेनिस बेडमिंटन खिलाड़ी स्वर्ण पदक के साथ टेनिस प्रतियोगिताओं देश-विदेश में कई पदक प्राप्त किए। उनके विद्यार्थी व सहयोगी आज भी उनकी स्मृति लिए श्रद्धावनत हैं। आज भी उनकी स्मृति में अश्रुपूरित दिल विव्हल है उनके पुण्य स्मरण पर शांति प्रदाय के साथ श्रद्धापूर्ण नमन

श्रीमती जया व अपूर्व नागर एवं पी.आर. जोशी परिवार

-पुरुषोत्तम जोशी

अवसान 22 मार्च 2008

बिल्कुल माँ-सी-पुष्पा मासी

मेने सपनों में माँ जैसी मेरी पुष्पा मांसी रहती
मेरी सरला सबसे अच्छी, ऐसा वो कहती रहती
मांसाजी थे सौम्य सभ्य, मांसी को पलकों पर रखते
मान उनका हरदम रखते, साथ सदा ही थे देते
नन्ना, बकु, टमु, गुल्लू, मुन्नी जीवन में आए
कलिया चटकी, फूल खिले, खुशियों की महक साथ लाए
रहने, खाने, पढ़ने को और कई-कई बच्चे आए
मांसी के संग रहकर, माँ जैसा प्यार सभी पाए
बेटों जैसा पाला पोसा, नटखट उनके देवर थे
घर में हर काज वही करती, पुष्पा भाभी के तेवर थे
जन्मदात्री वो नहीं, पर पचास से अधिक माओं की गोद भरी
सबका करती, नहीं थकती, बस सेवा में लगी रहती
निष्ठुर भाग्य-विधाता, जीवन ने करवट बदली
गुल्लू के जीवन में छाई, केंसर की काली बदली
मृत्यु लौट-लौट कर आती और डराती थी
गुल्लू की हिम्मत के आगे वापस लौट जाती थी
लिखा भाग्य में टला नहीं अन्तिम सांसे निकल गई
निस्तब्ध जया के हाथों से जय पताका फिसल गई
बेटे की टूटी सांसो से, जीने की इच्छा लोप हुई
गुल्लू से मिलन मनाने को, मृत्यु से भी डरी नहीं
दया देवरानी है सदा साथ में रहती थी
गुड्डू, गुड्डी, कुक्कू, रानी की ये ताई नहीं बाई (माँ) थी
खुद के दम पर जीती थी, दम पर जीना सिखलाती थी
खूब लड़ी मरदानी, वो तो राजगढ़ वाली रानी थी
बड़े प्यार से पाला मुझको, माँ से भी बढ़कर थी वो
लोग अभी भी कहते है, क्या तुम पुष्पा की बेटी हो?
गौरव-गरिमा की बाते, उनको गौरवान्वित करती थी
ऐसी माँ सी, बिल्कुल माँ जैसी, प्यारी पुष्पा मांसी थी।

अवसान 14 अप्रैल 2009

मेरी प्यारी माँ मनोरमा

ऊंची पूरी देह छरहरी, नाजुक नार नवेली थी
तीखे नैन नक्श वाली, वो रानी जैसी सुन्दर थी
मनोरमा है अति मनोरम, मन में ही रखती बातें
कभी किसी से कुछ ना कहती, ऐसे दादा कहते थे
अति लाड़ला सबसे प्यारा, बबलु राज दुलारा था
घर की रौनक, बहनों की आशा, माँ की आखों का तारा था
मां ही धन है, माँ ही ईश्वर, बिन माँ के सूना-सूना
माँ का साया साथ रहे, ऐसा मुन्ना कहता था
अनिल रहा मामा के संग में, सबसे छोटा बेटा था
उसको बचपन ना दे पाई, सो अंत समय तक साथ रहा
तीन बेटियां पाई थी, सरला, वीणा और रेखा
क्या सरला की बड़ी बहन हो, सब ही कहते थे ऐसा
यह मेरा बेटा है कहकर साथ सदा देती थी उसका
सोनू-बंटी की मां बनकर, प्यार लुटाती थी अपना
वीणा अपने दादा जैसी, राय सीख देने वाली
माँ की अति लाड़ली बेटी, ध्यान सदा रखने वाली
सबसे छोटी रेखा रानी, माँ जैसी ही लगती है
थोड़ी नटखट बड़बोली है, पर मन में कुछ ना रखती है
कृष्णा-क्षमा की माँ थी दूजी, प्रिय देवर की धरोहर है
मुस्काती सबसे कहती कि, मेरी तो पांच बेटियां है
दादा के जाने पर चिन्तित, कैसी होगी? अकेली देवरानी
दुख में डूब गई काकी, हो अब तो गई मेरी जेठानी
दोनों बहुएं लाडो रानी, अति अरमानों से लाई थी
माँ सा प्यार दिया शशी को, हर एक बात सिखाई थी
आशू हुई निराश, अब किससे पूछूंगी बाई?
पूजा, अक्षत, रोली, इन तीनों की थी परछाई
लाड़-दुलार लुटा गई, याद रहेगी दादी की बानी
कोपल, अबीर पंखुरी-तीन बन्दरों की कहानी
याद सदा आती है इनको मम्मी पापा की नानी।

-द्वारा सरला मेहता
14, विद्यानगर, इन्दौर मो. 9926189045

चि. आभास व्यास

उज्जैन। टेन प्लस टू हायर सेकेण्डरी सी.बी.एस.ई. बोर्ड की परीक्षा चि. आभास व्यास (सुपुत्र- सौ. आस्था डॉ. आशीष व्यास) ने 86 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण की। गणित, भौतिकी एवं रसायन शास्त्र में 93 फीसदी अंक अर्जित किए हैं। आप सौ. वसुन्धरा कृष्ण गोपाल व्यास के पौत्र हैं। बधाई पता- 40, श्रीराम नगर, सांवेर रोड, उज्जैन फोन 0734-2510966

चि. पृथ्यू नागर (सुपुत्र- जयेश-पुष्पा नागर)

इन्दौर। दसवीं की परीक्षा में पृथ्यू नागर सुपुत्र जयेश नागर ने 80 फीसदी अंक अर्जित किए। जबकि इस वर्ष परीक्षा परिणाम काफी टफ रहा।

कु. अंकिता शर्मा

इन्दौर। कु. अंकिता शर्मा ने अग्रसेन विद्यालय में अध्ययन के दौरान 12वीं में 85 फीसदी अंक प्राप्त किए। बधाई

कु. खुशी नागर

ग्वालियर। कु. खुशी नागर (सुपुत्री-पंकज नागर-सौ. भारती नागर) ने कक्षा एलकेजी में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर 92.6 फीसदी अंक प्राप्त किए। उन्हें समस्त नागर समाज की ओर से बधाई।

पुष्पांजलि भवन, 380, तानसेन नगर, ग्वालियर मो. 9827033460

चि. आनन्द शर्मा

देवास। चि. आनन्द शर्मा ने दसवीं कक्षा में 74, 83 तथा चार विषयों में विशेष योग्यता प्राप्त कर परिवार एवं समाज को गौरवान्वित किया है। पता- 427, बी, मिश्रीलाल नगर, देवास फोन 07272-252137

चि. पवन दुबे

इन्दौर। चि. पवन दुबे (सुपुत्र- सूर्य प्रकाश दुबे) ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं की परीक्षा में 500 में से 344 अंक प्राप्त कर 'ए' ग्रेड हांसिल की है। हिन्दी एवं बिजनेस एण्डी विषय में विशेष योग्यता प्राप्त की है। होनहार चि. पवन को रिश्तेदारों एवं समाजबंधुओं की ओर से बधाई।

कु. ज्योति जोशी

रतलाम। राज्य स्तरीय युसीमॉस एवं एबेकस स्पर्धा में ज्योति जोशी (सुपुत्री-प्रदीप जोशी) ने सबसे कम उम्र की चेम्पियन का खिताब प्राप्त किया। उसने आठ मिनिट में 108 सवाल हल कर यह उपलब्धि हांसिल की। आगामी 5 जुलाई को चैन्नई में होने वाली राष्ट्रीय स्पर्धा में कु. ज्योति का चयन हुआ है।

कु. दिपीका जोशी

राज्य स्तरीय युसीमॉस मेंटल एवं एबैकस स्पर्धा में दिपीका जोशी (सुपुत्री-प्रदीप जोशी) ने अपनी कक्षा में आठ मिनट में 130 सवाल हल कर मेरिट में स्थान प्राप्त किया।

प्रदीप जोशी- मो. 99264-40600
रमेशचन्द्र जोशी (पिपलौदी वाले)
56, तेलियों की सड़क, रामगढ़ रतलाम मो. 9926626561

कु. वर्षा दीक्षित

खंडवा। सिर्रा के नागर परिवार के रविकांत दीक्षित एवं शोभा दीक्षित की सुपुत्री कु. वर्षा दीक्षित ने शा.उ.मा. विद्यालय में कक्षा 12वीं (कला संकाय) में 72 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कु. गौरांगी जोशी

खंडवा। प्रतिभाशाली छात्रा कु. गौरांगी आत्मजा मुकुंद जोशी ने सी.बी.एस.ई. कक्षा 12वीं की परीक्षा स्थानीय केन्द्रीय विद्यालय से 81.6 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूचि में स्थान बनाया।

चि. धवल अश्विनी दीक्षित

खंडवा। प्रतिष्ठित दीक्षित परिवार के प्रतिभावान छात्र धवल अश्विनी दीक्षित ने हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर 83.3 फीसदी अंक प्राप्त किए एवं पांच विषयों में विशेष योग्यता प्राप्त कर परिवार एवं समाज को गौरवान्वित किया है।

कु. विधि नागर

खंडवा। केन्द्रीय विद्यालय खंडवा की छात्रा कु. विधि नागर ने सी.बी.एस.ई. हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा कक्षा 10वीं में 80 फीसदी अंक प्राप्त कर परिवार एवं समाज को गौरवान्वित किया है।

चि. शुभांग शर्मा

खंडवा। स्थानीय स्कालर्स डेन हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्रतिभावान छात्र शुभांग (आत्मज-सौ. प्रतिभा-वीरेन्द्र शर्मा) ने मा.शि.म. भोपाल की हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर 72 फीसदी अंक अर्जित किए है। इस उपलब्धि पर श्रीमती गीता गजानन शर्मा (दादी), प्रो. ऋषि कुमार शर्मा, यश शर्मा, अपूर्व वीरेन्द्र शर्मा आदि ने बधाई दी है।

प्रस्तुति-सरोज कुमार जोशी
प्रतिनिधि, खंडवा

चि. प्रबल शर्मा

(सुपुत्र- पवन-दुर्गा शर्मा)

इन्दौर। प्रबल शर्मा ने स्थानीय सराफा विद्या निकेतन से इस वर्ष की दसवीं बोर्ड परीक्षा 67 फीसदी अंक प्राप्त कर परिवार एवं समाज को गौरवान्वित किया है। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष उपरोक्त परिक्षा में मात्र 33 फीसदी विद्यार्थी ही उत्तीर्ण हुए है।

वैवाहिक युवक

डॉ. अनिल रमेशचन्द्र शर्मा
जन्म दि. 10.05.1987
शिक्षा- बी.ई. एम.एस.सी.एच. डब्ल्यू. आयु. फार्मासिस्ट
सम्पर्क- मो. 9826088115, 9009562115

निशिथ प्रवीण त्रिवेदी
जन्मदिनांक 27.09.1979 (रात्रि 8.50 बांसवाड़ा)
शिक्षा- बी.कॉम. कम्प्यूटर में डिप्लोमा
कार्यरत- स्वयं का मांगलिक गार्डन, रीयल एस्टेट डेवलपर्स
सम्पर्क-20/163, श्री गोपाल विला, त्रिपोलिया रोड, बांसवाड़ा मो.9460092497

गौरव भरत रावल
जन्मदिनांक 29 मई 1979 (9.30 प्रातः देवास)
शिक्षा- बी.कॉम. (कम्प्यूटर हार्डवेअर)
व्यवसाय- सी.डी. म्यूजिक, इलेक्ट्रॉनिक शॉप, प्रापर्टी ब्रोकर्स
सम्पर्क- 17, गणेशपुरी कालोनी, खजराना, इन्दौर
मोबाईल- 98930-73467

वैवाहिक युवती

अनुराधा के.एन. शर्मा
जन्मदिनांक 12.08.1982 (सायं 4.17)
शिक्षा- एमएससी (Ecx.)
कार्यरत- व्याख्याता इन्दौर
सम्पर्क- मो. 9425486724

पारुल प्रमोद मेहता
जन्मदिनांक 1.7.1983
शिक्षा- बी.ई. (आईटी)
कार्यरत- एन.एम.सी. बैंगलोर
सम्पर्क- क्वार्टर नं. एफ 1/1, (1100 क्वार्टस) अरेरा कालोनी, भोपाल
फोन 0755-2424550 मो. 9827830430

श्वेता भरत रावल
जन्मदिनांक 13-12-1980 (7.45 सुबह, इन्दौर)
शिक्षा- एम.कॉम. (एम.ए. हिन्दी साहित्य, कम्प्यूटर कोर्स)
संपर्क- 17 श्री गणेशपुरी कालोनी, खजराना (इन्दौर)
मो. 98930-73467

चि. मनोज नागर
(सुपुत्र- डॉ. आनन्दीलाल-आशा नागर)
बधाईकर्ता- समस्त नागर परिवार
130, गणेशपुरी, खजराना, इन्दौर

गिरिजाशंकर नागर
(चक्की वाले)
दिनांक 23 जून
राऊ मो. 9699562433

डॉ. दयाशंकर जोशी
दिनांक 26 जून 1922
समस्त जोशी एवं मेहता परिवार
डॉ. रेणुका प्रदीप मेहता
'रजत' 10 ओल्ड पलासिया, इन्दौर फोन 2550550

आस्था मेहता
(सुपुत्री- अमित शंकर-सौ. मुक्ति मेहता)
31 मई

सौ. मुक्ति मेहता
31 मई
प्रेषक- अमित शंकर मेहता
51/65, एन.एस. रोड, रिसड़ा हुगली पं. बंगाल मो. 09903037393

चि.शाश्वत नागर (सुपुत्र-नीलेश-तृप्ति नागर)
दिनांक 9 जून
बधाईकर्ता- समस्त नागर परिवार खजराना, इन्दौर
मो. 9907019524

कु. हर्षिता जोशी
(सुपुत्री- शैलेश-मोनिता जोशी)
बधाईकर्ता- शिव जोशी-सुशीला जोशी (दादा-दादी)
आज्ञा, राज जोशी एवं समस्त परिवार
स्टेशन रोड, राऊ फोन 0731-2856515,
मो. 94240-53997

चि. दिव्यांश शर्मा
(सुपुत्र- दीपक-संगीता शर्मा)
दिनांक 11 जून
बधाईकर्ता- अवन्तिका शर्मा परिवार
20, जूनी कसेरा बाखल, इन्दौर
फोन 0731-2450018

जन्मदिन-विशिष्ट-अनूठा-कल्पनाशील होता है आदरणीय आत्मीय सहयोगी अपनों को शुभ कामनाएं

1. कुमारी शिवानी बिटिया स्व. सत्यम जोशी (पोर्टलेंड, अमेरिका) दिनांक 1-6-09
2. कुमारी वंदना बिटिया पुरुषोत्तम जोशी - दिनांक 15-6-09
3. श्रीमती डॉ. रेणुका पत्नी डॉ. प्रदीप मेहता - दिनांक 24-6-09

अपने विशिष्ट जन्मदिन के अवसर पर आनन्द हर्षोउल्लास उत्कर्ष आरोग्यता नामांकित विशिष्ठता अर्जन करने के साथ दीर्घायु की शुभकामनाएं स्वीकार हो।

पी.आर. जोशी परिवार की ओर से
528, उषा नगर एक्सटेंशन, इन्दौर (म.प्र.)

प्रख्यात पत्रकार स्व.श्री सदाशिव नागर की 33वीं पुण्यतिथि एक जून पर विशेष

सेवा के संकल्प को सर्वोपरि रखकर कार्य करने वाले महान व्यक्तित्व थे स्व.श्री नागर

उज्जैन। प्रमुख रूप से पत्रकारिता के माध्यम से जनसेवा के संकल्प को सर्वोपरि रखकर प्राथमिक रूप से कार्य को बखूबी अंजाम देने वाले महान व्यक्तित्व थे स्व.श्री सदाशिव जी नागर, जिन्हें सभी स्नेह व आदर के साथ नाना भी कहा करते थे। 1 जून 1976 को दैहिक रूप से हमारे मध्य से जा चुके स्व.श्री नागर की 33वीं पुण्यतिथि पर सहसा ही उनकी चिर स्मरणीय यादें हमारे मध्य प्रत्यक्ष हो जाती है। आज स्व.श्री नागर को हमारे मध्य से गुजरे 33 वर्ष हो चुके है किंतु प्रत्यक्ष न सही, अप्रत्यक्ष रूप से उनकी उपस्थिति हमें अनुभव प्रतीत होती है। उनके दैनिक जीवन के क्रियाकलाप ऐसे हुआ करते थे जो सिर्फ जनसेवा से ओतप्रोत होकर समर्पित भाव को दर्शाते थे। सिद्धांतों के विपरित किसी भी परिस्थिति से समझौता न करना स्व.श्री नागर की कार्यशैली में रहा है। वे भले ही कई बार परेशान रहते थे किंतु सच्चाई के साथ उनका संघर्ष सतत जारी रहता था। स्व.श्री सदाशिव नागर 'नाना' ने अपने जीवन में अपने नाम के अनुरूप सदा सेवा व समर्पण भाव को आत्मसात कर इस दिशा में संकल्पित रहे। स्व.श्री नागर ने अपने जीवनकाल 55 वर्ष में बाल्यावस्था के पश्चात अपनी जिम्मेदारियों को जिस बखूबी के साथ निभाया है अत्यंत ही सराहनीय कहा जाता है। उस दौर के इनके साथीगण इनकी प्रशंसा करते थकते नही है। प्रमुख रूप से पत्रकारिता के माध्यम से जनसेवा का विशेष जज्बा था स्व.श्री नागर में। नईसड़क स्थित अपनी छोटी क्षेत्रफल वाली साधारण सी प्रेस पर पत्रकारिता के माध्यम से सेवाएं देते रहने वाले स्व.श्री नागर यहाँ कम्पोजिंग से लेकर मशीन चलाने तक का कार्य करते थे। आपकी साधारण सी प्रेस पर जहाँ कुछेक टेबल-कुर्सी लगी थी शहर के प्रबुद्ध पत्रकारजन व संभ्रांत परिवार के लोगों का आना-जाना लगा रहता था। कारण साफ था कि आप सहज, सरल, मृदुभाषी व मिलनसार होने के साथ ही सभी के अच्छे-बुरे में प्रमुख रूप से सभी के साथ रहते थे। साथ ही यहाँ पर समस्या व अभावग्रस्त लोगों की आवाजाही भी लगी रहती थी क्योंकि स्व.श्री नागर जिन्होंने जीवनकाल में सतत संघर्ष किया वे अभाव व परेशानियों को नजदीक से जानते थे। स्वयं परेशान रहकर भी उन्होंने ऐसे लोगों की अपने स्तर पर हरसंभव मदद की, किसानों के हितैषी के रूप में भी स्व.श्री नागर को प्रमुख रूप से याद किया जाता है। छोटे-छोटे व मजबूर परेशान किसानों के हितार्थ आपने काफी संघर्ष किया है। कभी कलम के माध्यम से तो कभी प्रत्यक्ष रूप से उनकी समस्याओं के समाधान हेतु अग्रणी रहे है। आपने कांग्रेस से जुड़कर भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं जनहितार्थ दी है। आप कांग्रेस के निष्ठावान व संघर्षशील कार्यकर्ता के रूप में प्रमुख रूप से जाने जाते थे। आपने कांग्रेस के कई आंदोलन व अन्य कार्यक्रमों में प्रमुख रुप से हिस्सा लिया है। स्व.श्री नागर के हमारे मध्य से चले जाने के 33 वर्ष बाद भी उनकी चिर स्मरणीय कार्यशैली प्रत्यक्ष न सही, अप्रत्यक्ष रूप से उनकी उपस्थिति हमारे मध्य करा देती है। ऐसे महान व्यक्तित्व, समाज के प्रमुख आदर्श होकर मिसाल के तौर पर याद किए जाते है उनकी कार्यशैली व संघर्षशीलता हमारी पथप्रदर्शक हो सकती है। स्व.श्री सदाशिवजी नागर 'नाना' के परिवार में उनके छोटे पुत्र जयशंकर नागर व पोते निलेश नागर द्वारा पत्रकारिता के माध्यम से अपनी सेवाएं दी जा रही है। साथ ही अन्य परिवारजनों द्वारा भी अपने पितृपुरूष स्व.श्री नागरजी 'नाना' के पथचिन्हों पर चलकर समाजसेवा के साथ जीवन निर्वाह किया जा रहा है। स्व.श्री नागर जी 'नाना' को उनकी 33वीं पुण्यतिथि पर सादर-सादर श्रद्धांजलि... पुष्पांजलि... नमन!

—संजय माथुर

झाबुआ में नानीबाई का मायरा

झाबुआ। नागर (मेहता) परिवार द्वारा रतलाम के पं. श्री अनिरुद्धजी (मुरारी) के सानिध्य में कथा का आयोजन मेहता परिवार के श्री बी.जी. मेहता, श्री राजेश नागर, श्री एल.के. नागर, श्री नारायण प्रसाद नागर एल.के. नागर, श्री धर्मेन्द्र नागर, श्री जितेन्द्र नागर, श्री महेश नागर (भोले), श्री पं. द्विजेन्द्र व्यास के सहयोग से स्थानिय आजाद चौक में किया जावेगा जिसमें समस्तजन समाजजन एवं धर्मप्रेमी बन्धुओं, माताओं एवं बहनों से कथा श्रवण करने का आग्रह है।

कु. डिम्पल नागर (मेहता)

नरसी मेहता जयंती मनाई गई

झाबुआ। नागर (मेहता) परिवार झाबुआ एवं मेघनगर द्वारा परिवार के पितामह श्रीकृष्ण के परमभक्त श्री नरसी मेहता की जयंती प्रथम बार श्री बी.जी. मेहता के मार्गदर्शन में धुमधाम से मनाई गई। सर्वप्रथम परिवार के वरिष्ठ श्री सुभाषजी द्वारा चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उसके पश्चात श्री राजेशजी द्वारा श्री नरसी मेहता के जीवन पर प्रकाश डाला गया, और परिवार के बच्चों द्वारा प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर श्री नारायण प्रसाद, श्री धर्मेन्द्र, पं. श्री द्विजेन्द्र व्यास, श्री जितेन्द्र, श्री पंकज, श्री मितेष, श्री पुरुषोत्तम नागर (मेहता) ने परिवार सहित धर्मलाभ लिया एवं आगामी वर्षों में इसे भव्य रुप में मनाने पर विचार विमर्श किया। **-श्रीमती लीना नागर (मेहता)**

प्रथम पुण्य स्मरण पं. दुर्गाशंकरजी नागर

उनके सद्‌कार्य एवं अच्छा व्यवहार भुलाया नहीं जा सकेगा

बेरछा। इस दुनिया में जो आता है उसका अंत निश्चित है, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते है जो देह त्यागने के बाद भी सभी के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ जाते है। इनमें से ही एक स्व. पं. दुर्गाशंकरजी नागर (झोंकर) जो हमें एक वर्ष पूर्व दिनांक 24/5/2008 को छोड़कर चले गये। वे बड़े ही मृदुभाषी, सरल और दयालु थे। ममता व करुणा की मूर्ति जिनके सानिध्य में हम अपने दुःख, शोक, क्लेश भूल जाया करते थे। उन्होंने अपने परिवार को एक डोर से बांध रखा था। उन्होंने अपने जीवनकाल में अनेक निर्माण कार्य किए। जिसके फलस्वरूप उन्होंने ग्राम खरेली में गौशाला का निर्माण किया, शिक्षा के लिए विद्यालयों का निर्माण किया आदि अनेक निर्माण कार्य जिन्हें पूर्ण रूप से विस्तारित नहीं किया जा सकता है। ग्राम झोंकर के आस-पास के सभी गांवों के कार्य उनकी सहमती से ही पूर्ण होते थे। खैर देह त्यागने से ही व्यक्ति को भुलाया नहीं जा सकता। अभी भी उनकी यादे हमारे बीच मौजूद है। आज उनके आशीर्वाद से पूर्ण परिवार खुशहाल है।पूरे नागर परिवार की ओर से उन्हें शत-शत नमन् ।

-संजय, प्रीति, अर्थव, उत्कर्ष नागर

❁ ब्यूटीफुल ❁

बधाई 'इंटरनेशनल ब्यूटीफुल गर्ल्स एंड बॉयज डे' की आज उन खूबसूरत और स्मार्ट लड़कों और लड़कियों को बधाई दें जो सचमुच खूबसूरत हैं।

मेरी तरह गलती न करें।

❁ बसंती ❁

अगर बसंती की मौसी ठाकुर को राखी बांधती, तो ठाकुर का बसंती से क्या रिश्ता होता?

कुछ भी नहीं काम करो अपना ठाकुर के हाथ ही नहीं थे।

❁ सिर्फ तुम्हें ❁

तुम हंसती रहो हंसती रहो मुस्कुराती रहो हरदम खिलखिलाती रहो मुझे क्या लोग तुम्हें ही पागल कहेंगे।

❁ उम्र का चार्ज ❁

एक वकील मरने के बाद भगवान के द्वार पहुंचा। स्वर्ग और नरक के बीच द्वार पर चित्रगुप्त कुर्सी और मेज लगाकर बैठे थे। उनके सामने लंबी लाइन थी और वकील का नंबर सबसे आखिर में था। जैसे ही चित्रगुप्त की नजर उन पर पड़ी, वह स्वयं उठकर लाइन के अंत तक आए और वकील का हाथ थाम उसे अपने डेस्क तक ले आए और अपने साथ एक कुर्सी पर बैठा लिया। वकील खुश था। उसने पूछा-आपने मुझे इतना सम्मान दिया, बहुत अच्छा लगा, पर मुझमें ऐसा क्या है, जिस वजह से आप इतना आदर दे रहे हैं?

चित्रगुप्त ने कहा- तुमने अपनी जिंदगी में मुवक्किलों से कुल जितने घंटों का पैसा वसूला है, उसका लेखा-जोखा देख रहा था। उस हिसाब से तुम्हारी उम्र 198 वर्ष है।

❁ पिताजी ❁

जर्नलिस्ट ने सड़क पर काफी भीड़ देखी। पता चला कि कोई कार ऐक्सिडेंट हुआ है। उसे लगा कि इस न्यूज को कवर करना चाहिए. पर घटनास्थल पर इतनी भीड़ थी कि वह न तो अंदर जा पा रहा था न ही कुछ देख पा रहा था। अचानक वह चिल्लाया मुझे आगे जाने दो, मैं उनका बेटा हूं। प्लीज जाने दो।

लोगों ने रास्ता दे दिया और वह तुरन्त सामने पहुंच गया, कार के सामने गधा पड़ा था।

अर्ज किया है...

वो मुड़-मुड़ के हमें देख रहे थे
और हम उन्हें...
वो मुड़-मुड़ के हमें देख रहे थे
और हम उन्हें....
एक्जाम में न उन्हें कुछ आता था
और न हमें.....

-प्रस्तुति श्रद्धा शर्मा

भाग्योदय के नुस्खे

1. किराये की जगह से लाभ लेने के लिये अग्निकोण में गुड़ रखे।

2. मुसीबत से बचने के लिए सूर्योदय के समय गोशाला की मिट्टी व गंगाजल प्रवेशद्वार पर छिड़कें।

3. उल्टे चप्पल जूते खोलने से दुश्मन को असफलता मिलती हैं एवं नजर भी नहीं लगती।

4. शीघ्र विवाह के लिये रविवार से सूर्यजल को चांदी के पात्र से सेवन करें।

5. हानि से बचने के लिए रुद्राक्ष लेकर 27 बार महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।

6. हर शुक्रवार को तिजोरी में रखे आभूषण या कीमती वस्तुओं का दर्शन व स्पर्श समृद्धि लाता हैं।

7. शीघ्र विवाह के इच्छुक जमीन पर अपनी नाम व जन्मतिथी लिखकर तुलसी का गमला रखें।

8. गृहक्लेश से बचने के लिए रसोईघर में दूर्वा की तोरण बांधे व रात को झूठे बर्तन न छोड़े।

संकलन- सौ. सोनू विनित नागर

लघु कथा चोरी

आज मगनलाल का मूड बहुत खराब था। सारी जमावट के बावजूद उनके पेट्रोल पंप पर अचानक निरीक्षक दल ने धावा बोल दिया था और उनके पेट्रोल का नमूना मिलावटी पाया गया था इसलिए बिक्री पर प्रतिबंध लगाकर उनके पंप पर पेट्रोल का विक्रय कुछ समय के लिये प्रतिबंधित कर दिया गया था। भ्रष्टाचार की तो हद हो गयी है। हर महीने का चढ़ावा पहुंचा देता हूं फिर भी खबर नहीं की कम्बख्तों ने। और बेसाख्ता उनके मूंह से गालियों का झरना बह निकला। घर के निकट पहुंच कर उन्होंने कार रोकी तभी उनकी निगाह अपने बंगले की बाउंड्री वाल पर अटक गयी। एक छः सात साल का लड़का बाउंड्री वाल के ऊपर तक उठ आई बेलिया गुलाब की टहनी से एक खिला हुआ गुलाब तोड़ रहा था।बहुत दिनों से वे ताक में थे कि रोज-रोज फूल तोड़ने वाले को किसी दिन रंगे हाथ पकड़ेंगे और खूब धुलाई करेंगे। ये झोंपड़-पट्टी वाले अपने बच्चों को सिवाय चोरी के कुछ सिखाते भी है? आज वो मौका उनके हाथ लगा था। कार से तेजी से उतरते हुए और लगभग दौड़ते हुए वे लड़के के पास पहुंचे और उसके हाथ से फूल छीन लिया। हाथ मरोड़ते हुए एक जोर का घूंसा उसकी पीठ पर जमाने के लिए अपना हाथ उठाया। घृणा से होंठ सिकोड़ कर कड़कती आवाज में चुइंगगम की तरह शब्दों को चबाते हुए उस पर बरस पड़े इतना छोटा होकर भी चोरी करता है? अकस्मात इस तरह पकड़ कर डाटे जाने से लड़का बेहद घबरा गया था। माफी मांगते हुए वह बड़ी मासूमियत से बोला, सारी अंकल, मैं नहीं जानता था कि चोरी बड़े होकर करते हैं? लड़के के शब्द तीर की तरह सीधे उनके हृदय पर वार कर गए। अनजाने ही उनके सामने अपने पेट्रोल पंप पर मात्रा से कम पेट्रोल देने तथा मिलावटी पेट्रोल प्रदाय करने का नजारा घूम गया। उनका घूंसा मारने के लिए उठा हाथ निर्बल-सा होकर अपने आप कंधे के नीचे लटक गया।

❋

प्रस्तुति- आशा नागर
सी-12/9, ऋषि नगर, उज्जैन

पंच-तत्व

महान् संत कबीर ने 'शरीर' के लिये 'घट' शब्द का चयन बहुत सटीक किया है। 'घट' का निर्माण भी पांच घटकों (तत्वों) के समायोग से ही होता है- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। किसी शिक्षाविद् ने इसीलिये ठीक ही कहा है कि 'पांच तत्वों के विद्यमान होते हुए भी एक अच्छे 'घट' (व्यक्ति/व्यक्तित्व) का निर्माण तब तक नहीं हो सकता- जब तक कि एक कुशल कुम्हार (शिक्षक) के हाथों इन पांच तत्वों का सही समायोग न हो।

ये पांच तत्व हमें कितनी सहज किन्तु उत्कृष्ट सीख देते हैं-

आकाश कहता है- तुम अपना हृदय मेरी तरह विशाल रखो।

पृथ्वी कहती है- तुम मेरी तरह सहनशील व धैर्यशील बनो।

सचमुच धरती कितनी सहनशील होती है- मानव उसे हंसिये से कुरेदता है किन्तु वह लहलहाती हुई फसल के रूप में हंसती है। हवा कहती है- सुखी रहना हो तो तुम हमेशा मेरी तरह शांत और शीतल बने रहो।

जल कहता है- मेरी तरह तुम भी सभी की सेवा निःस्वार्थ किया करो।

अग्नि कहती है- अपनी बुराइयों को तुम जला कर दूर कर दो।

आइये! जिन पंच तत्वों से हमारा शरीर बना है हम उनसे कुछ सीख लें।

एकदा- पंच तत्वों की मण्डली बैठी थी चर्चा छिड़ी थी अपने-अपने बड़प्पन बखान करने की।

पृथ्वी कह रही थी- सदियों से सारी दुनिया का बोझ मैं ही तो ढो रही हूं। सभी का पोषण मुझे ही करना पड़ता है।

यह सुनकर जल ने कहा- मेरे बिन तो जीवन ही सूना है चाहे प्राणी हो या वनस्पति सभी मेरे बिना सूख जावेंगे और चहूं ओर त्राहि-त्राहि मच जावेगी।

इस पर पवन तपाक से बोला- तुम्हारे बिना तो मनुष्य कुछ समय तक जी भी सकता है किन्तु मेरे बिना तो पल भर में ही उसका दम घुट जावेगा। साथ ही अग्नि का अस्तित्व और जल की उत्पत्ति दोनों मेरे बिना संभव ही नहीं है।

अग्नि ने भी अपनी बात कुछ इस तरह कही- सोचिये मैं न होऊं तो 'तपन' और प्रकाश (अंधकार दूर करने के लिये) कहां से आवेंगे। जिनके बिना भी जीना दूभर होता है। चारों तत्व जब कह चुके तो वे चारों आकाश से बोले... आप तो चुपचाप बैठे सुन रहें हैं- कुछ बोलते क्यूं नहीं।

मुस्कुराते हुए आकाश बोला- तुम चारों मेरे ही हो और मेरी गोद में ही तो खेलते रहते हो। भला मैं और क्या कहूं।

बड़प्पन का निर्णय तुरन्त हो गया और चारों तत्व आकाश के सामने नत् हो गये।

रामचरित मानस के सुन्दर कांड में- भयभीत समुद्र ने प्रभुराम से इन्हीं शब्दों में क्षमा याचना की है-

गगन, समीर, अनल, जल, धरती।
इन्ह कही नाथ सहज जड़ करनी।।

हे प्रभु! आकाश, वायु, अग्नि, जल और धरती इन सबकी करनी स्वभाव से ही जड़ है।

-मोरेश्वर मंडलोई
आनन्द नगर खंडवा

स्वर्ण जयंती उत्सव

समाजसेवी, पत्रकार श्री हरिनारायण नागर के विवाह समारोह में हुआ था प्रदेशाध्यक्ष वीरेन्द्र व्यास का उपनयन संस्कार

पीपलरावां। क्षेत्रीय वरिष्ठ पत्रकार श्री हरिनारायण नागर एवं भाभी श्रीमती मनोरमा स्व. पं. श्री रामकृष्ण नागर परिवार तथा दामादों के संयुक्त प्रयास से पत्रकार श्री नागर एवं सौ. शकुन्तला नागर के सफल दाम्पत्य-जीवन का स्वर्ण जयंती समारोह गत 15 मई 09 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंगलाष्टक से वरिष्ठ दम्पत्ती के भावी सुदीर्घ, स्वस्थ एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामना भी की गई। इसी तरह चूंकि श्री नागर के विवाह के साथ ही म.प्र. नागर परिषद अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र व्यास का उपनयन संस्कार भी किया गया था अतः उनके उपनयन की स्वर्ण जयंती इसी दिन होने से पत्रकार श्री नागर दम्पत्ती की ओर से श्री व्यास एवं धर्मपत्नि श्रीमती स्नेहलता व्यास दम्पत्ती का पुष्पहार एवं वस्त्रादि भेंटकर उनके भावी सुदीर्घ, स्वस्थ एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामना की गई। समारोह को गरिमा प्रदान करने हेतु निवृत्तमान प्रोफेसर डॉ. श्री रामरतन शर्मा उज्जैन, म.प्र. नागर परिषद अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र व्यास, भागवताचार्य पं. श्री नंदकिशोरजी नागर सामगी, साप्ताहिक न्यूज कवरेज के सम्पादक श्री सत्येश नागर तराना, मासिक जय हाटकेश वाणी की प्रधान सम्पादिका श्रीमती संगीता शर्मा, सांध्य दैनिक अवन्तिका इन्दौर के प्रबंध सम्पादक श्री दीपक शर्मा, कस्टम विभाग मुम्बई के सहायक कमिश्नर श्री सर्वेश माथुर, जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष श्री गोपालकृष्ण व्यास (इकलेरा) पूर्व मंत्री श्री रमाशंकर नागर देवास, नई दुनिया इन्दौर पत्र समूह के सम्पादक श्री आलोक मेहता की अनुज वधु श्रीमती अनिता मेहता उज्जैन, पूर्व महाप्रबंधक श्री रामकृष्ण नागर, कृष्णकांत शुक्ल एवं श्री मुकेश शर्मा तीनों उज्जैन, श्री विकासचन्द्र रावल, श्री उमाशंकर नागर एवं प्रदीप मेहता तीनों इन्दौर, श्री रमाकांत नागर, श्री शैलेन्द्र मेहता एवं कु. तिथि मेहता तीनों रतलाम सभी स्वजन अन्य साहित्य प्रेमी एवं पत्रकार तथा स्थानीय एवं समीपी ग्रामों के स्नेहीजन सहित लगभग तीन सौ व्यक्ति इसके साक्षी बने।

मनमोहन नागर (पत्रकार) पीपलरावां

एक दुर्लभ अवसर विवाह की स्वर्ण जयंती

एक अजनबी के साथ हमसफर बनकर वर्ष-दर-वर्ष पड़ाव पर पचास वर्ष पूर्ण करना अपने आप में उपलब्धि से कम नहीं है। कहा जाता है कि जीवन एक संघर्ष है। इसमें कई उतार-चढ़ाव आते हैं। नई पीढ़ी के लिए ये पचास-पचास वर्ष पुराने सफल वैवाहिक जीवन निश्चित रूप से प्रेरणादायी है। इनकी इस उपलब्धि पर हम सभी समाजजन अभिनंदन कर वंदन करें तथा आओ इनकी खुशी में हम भी शामिल हों।

बधाई श्री कृष्ण गोपाल व्यास एवं सौ. वसुन्धरा व्यास

उज्जैन। श्री कृष्णगोपाल व्यास एवं सौ. वसुन्धरा व्यास ने 5 मई 2009 को वैवाहिक वर्ष 'पचास' पूर्ण किए। समस्त समाजजनों के साथ रिश्तेदार श्रीमती पुष्पादेवी स्व. लक्ष्मीकांतजी व्यास (इन्दौर) सौ. शान्ता जी.एन. नागर (राजगढ़) सौ. सुशीला-राधारमणजी व्यास (ग्वालियर) सौ. निर्मला-बालमुकुंदजी व्यास (वाराणसी) सौ. आस्था डॉ. आशीष व्यास (पुत्रवधु-पुत्र) सौ. ममता विनायक शंकर नागर, गाजियाबाद (दामाद) , चि. आभास (पौत्र) कु. आद्या (पौत्री), चि. अमोघ नागर (दौहित्र) एवं समस्त मित्रगण ने बधाई दी।

बधाई हेतु फोन 0734-2510966 श्री रामकृष्ण नागर एवं सौ. गीता नागर 232, अलखधाम नगर उज्जैन ने भी स्वर्णजयंती दम्पत्ति को बधाई प्रेषित की है

शुभलग्न की स्वर्णिम जयंती

इन्दौर। विगत 9 मई 2009 की सांध्य बेला में प्रोफेसर श्री हरिवल्लभ नागर व धर्मपत्नी सौ. श्यामा देवी के शुभ लग्न की स्वर्णिम जयंती उनके विवाह के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में परिवार के पुत्र-पौत्रों, सगे-सम्बंधियों व इष्टमित्रों के साथ खजराना स्थित हाटकेश्वर देवालय में अभिषेक पश्चात स्नेह-भोज के साथ मनाई गई।

वैवाहिक स्वर्ण जयंती

इन्दौर। नागर समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री महेश ठाकोर एवं सौ. कमला ठाकोर के विवाह की स्वर्ण जयंती धूमधाम से मनाई गई। स्वनिवास पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने मासिक पत्रिका जय हाटकेश वाणी को 501 रु. प्रदान किए हैं।

प्रस्तुति- सौ. रुचि उमेश झा

नागर समाज और कोल्डड्रिंक्स

हमारे चिर परिचित सज्जन राजस्थान के एक छोटे से शहर में लड़की के लिए लड़का देखने एक नागर परिवार में गये। लड़का देखा परिवार के लोगों से बातचीत हुई लड़का पसंद आ गया लड़का इंजिनियर (B.E.) प्राइवेट फर्म में नौकरी, मोटी तनख्वाह 20000/- रुपया से क्या कम होगी। लड़के के परिवार वालों ने लड़के की खूब तारीफ की। कहने लगे लड़की वाले तो बहुत आये लेकिन आप जैसा सज्जन आदमी नहीं देखा हम शादी करने को तैयार है लड़की के पिताजी को भी प्रस्ताव पसंद आ गया और कहने लगे घर पर जाकर बच्चों से बातचीत करके जवाब देंगे।

हमारे परिचित थोड़े होशियार थे सोचने लगे बिना लड़की देखे इन्होंने शादी की हां कर दी जरुर कहीं दाल में काला है। आते-आते उन्होंने पूछ ही लिया कि आपको कोल्डड्रिंक का शोक तो नहीं है। कभी-कभी पी लेते होंगे, शोकिया यार दोस्तों के साथ इस प्रश्न पर लड़का हक्का बक्का रह गया। मुंह से जवाब नहीं निकला घर वाले भी वापस मकान में जा घुसे।मैंने हमारे परिचित जी से पूछा कि आप नागर समाज के होते हुए यह बात क्यों पूछी? बनते काम में पत्थर क्यों फेंका? कहने लगे महाराज पण्डित जी आप कहां रहते हो, आज यह बीमारी सभी जातियों से होती हुई नागर समाज में भी घुस गई है। आपकी अपनी लड़की की शादी करो तो इस बीमारी की जानकारी कर लेना नहीं तो लड़की का एवं आपका जीवन नरक बन जायेगा।

जय हाटकेशवाणी में समाज के प्रबुद्ध विद्वानों के लेख आते है मैं उनका ह्रदय से सम्मान करता हूं वे मेरे पूज्यनीय एवं आदरणीय है नागर समाज का इतिहास उनसे छिपा हुआ नहीं है बुजुर्ग ही समाज के स्तम्भ है और समाज उन्हीं पर टिका है मेरा सिर्फ इतना सा अनुरोध है कि आज के परिप्रेक्ष में क्या नागर समाज के होनहार भावी समाज के कर्णधार इस बीमारी से अछुते तो नहीं है याद नहीं है वो बहुत खुश है और यदि है तो हम उसके लिए क्या कर रहे है। परिचय सम्मेलन में भी यह बात जोर-शोर से उठाई जा सकती है। क्योंकि समाज के प्रत्येक परिवार को दूसरे परिवार की पोल की जानकारी रहती है ऐसा नहीं हो कि पानी सिर से निकल जाये उसके बाद हम चेते। समाज के प्रबुद्ध नागरिको, समाज सेवको से मेरा अनुरोध है कि इस बीमारी को रोकने के प्रयास अभी से करना चाहिए। जय हाटकेश वाणी के माध्यम से हमारे नवयुवको को मार्गदर्शन मिलना चाहिए इस कुरीति को खत्म करना होगा। जयहाटकेशवाणी का यह क्रांतिकारी प्रयास अवश्य रंग लायेगा ऐसी मेरी हार्दिक अभिलाषा है।

हर युवक नृसिंह मेहता तो नहीं बन सकता लेकिन उनके बताये मार्ग पर चले तो समाज का कल्याण हो सकता है स्वयं का भी कल्याण हो सकता है। पत्रिका समाज का दर्पण है जैसे भाव, वर्ण दर्शन समाज को देंगे वैसा प्रभाव समाज पर पड़ेगा। यह मैंने मेरी स्वयं की हार्दिक भावना व्यक्त की है।

प्रस्तुति- रमेश नागर, कोटा

समय का महत्व पूछना हो तो...

जिन्दगी में एक वर्ष का क्या महत्व है?
यह इसी वर्ष फेल हुए विद्यार्थी से पूछिए।
एक माह का महत्व जानना है तो?
उस माँ से पूछिए जिसने आठ
मासिया बच्चे को जन्म दिया है।
सात दिन का महत्व जानना है तो
किसी साप्ताहिक पत्र के सम्पादक से मिलिए
एक दिन का महत्व वह दिहाड़ी
मजदूर ही बता सकता है
जिसे आज मजदूरी नहीं मिली है।
एक घण्टे का महत्व जानना है
तो सिकंदर से पूछिए
जिसने आधा राज्य देकर एक
घंटे मौत को टालने का आग्रह किया
एक मिनिट का महत्व उस भाग्यशाली से पूछिए
जो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की इमारत गिरने से ठीक
एक मिनिट पहले ही सुरक्षित बाहर निकला है।
अब बचा एक सैकंड का महत्व जानना हो तो
उस धावक से पूछिए जो इसी एक सैकण्ड की वजह से
स्वर्ण पदक पाते-पाते रजत पद पर रह गया।

❖ संकलन कथन नागर
251, श्री मंगल नगर, इन्दौर

जो प्रदूषण का आदी है वही दीर्घायु होगा

मुझे ऐसा लगता है कि पृथ्वी की परिधि पूर्ण रूप से दूषित हो चुकी है। स्वास्थ्य स्थापित करने वाला वायुमंडल पूर्णतः नष्ट हो चुका है सकारात्मक सोच का अर्थ परिवर्तित हो गया है। इन सब का कारण यंत्र व उससे उत्पन्न होने वाली तरंगे है। जीवन के प्रति मोह मात्र मनुष्य में ही नहीं समस्त जीवित प्राणी वर्गों में है। जिस प्राणी ने अपने आप को प्रदूषण का आदी बना लिया वह दीर्घायु होगा।

विचार से तय होती है बुद्धिमत्ता

विचार प्रत्येक (सुक्ष्माकार/वृहताकार मस्तिष्क की अनिवार्य निर्बाध उत्पत्ति है। स्वरूप सापेक्ष परिस्थितियां निर्मित करती है। विचारों के स्वरूप पर परिस्थितियां उतना ही प्रभाव रखती है जितना विचारों का जनक मस्तिष्क उन्हें समझ पाता है। यह शाश्वत है कि प्रत्येक मस्तिष्क की विचार उत्पत्ता एक समान होती है परन्तु उनका स्वरूप बदलता रहता है। विचारों के स्वरूप से मस्तिष्क धारक (प्राणी/मानव) की बुद्धिमत्ता/बुद्धिहीनता का परिचय होता है।

एड्व्होकेट मुकुल व्ही मंडलोई
सुदामानगर इन्दौर फोन 2484370

भगवान एवं भक्त के एकाकार हेतु समर्पण, सरलता, श्रद्धा, निष्ठा एवं लगन जरुरी

रतलाम में 'नानीबाई का मायरा' का पांच दिवसीय आयोजन सम्पन्न

रतलाम। 'अच्छे कार्य करने के लिए ठान लिया जाये तो वह पूरा होता ही है।' यह कहावत उस समय चरितार्थ होते देखी गई जब रतलाम में पांच दिवसीय 'नानीबाई का मायरा' का धार्मिक आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। नागर महिला मण्डल की सचिव एवं धार्मिक कार्यों के लिए सक्रिय सुश्री मंगला दवे ने ठान ली थी कि रतलाम में नानीबाई का मायरा कराना है उनके इस संकल्प में नागर समाज की कुछ महिलाएं जुड़ी तो कहीं इसका समर्थन भी नहीं हुआ। कई अवरोधों को पीछे छोड़ते हुए सुश्री दवे के साथ नागर समाज का कारवां बनता चला गया और नागर ब्राह्मण समाज के महान संत, कृष्ण भक्त श्री नरसी मेहता को समर्पित 'नानीबाई का मायरा' आयोजन सफल होकर अनूठी छाप छोड़ गया। पण्डित अनिरुद्ध मुरारी के मुखारविंद से मधुरसंगीत एवं आनंदित करने वाले भजनों के साथ 'नानी बाई का मायरा' कथा काटजू नगर के जैन स्कूल प्रांगण में हुई जिसमें बड़ी संख्या में नागर समाज एवं अन्य संप्रदाय के भक्तों ने कथा का नियमित श्रवण किया। ग्रीष्म के मौसम को मद्दे नजर रखते हुए कथा का आयोजन शाम 6 से 10 बजे तक रखा गया था। मप्र नागर ब्राह्मण परिषद एवं नागर महिला मण्डल के संयुक्त तत्वाधान में नानीबाई का मायरा 13 मई 09 से 17 मई 09 तक हुए इस आयोजन में पं. अनिरुद्ध मुरारी ने नागर समाज के गौरव पूर्वज एवं भगवान कृष्ण के अनन्य भक्त श्री नरसी मेहता के जीवन के अनेक प्रसंगों को भजनों एवं ओजस्वी वाणी से सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। पं. मुरारी ने कहा कि भगवान एवं भक्त के एकाकार होने के लिए समर्पण, सरलता, श्रद्धा, निष्ठा, लगन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन बार-बार नहीं मिलता इसे ईश्वर भक्ति एवं सद्कार्यों के लिए समर्पित कर दे तभी मोक्ष की प्राप्ति होगी। कलियुग में भक्त नरसी मेहता की सहायता एवं रक्षा के लिए स्वयं कृष्ण भगवान 52 बार आये और संत श्री नरसी मेहता के सारे कार्य पूर्ण कर उन्हें अपने हृदय में स्थान दिया यह नागर ब्राह्मण समाज के लिए गर्व एवं गौरव की बात है। कथा के अंतिम दिवस पर संतश्री नरसी मेहता की पुत्री नानीबाई के मायरे के लिए स्वयं कृष्ण भगवान राधा, रुकमणी के साथ पधारे और किये गये मायरा का सजीव चित्रण किया। नागर समाज के कलाकारों ने कृष्ण, राधा, रुकमणी एवं नरसी मेहता का रुप धरकर जब मंच प्रांगण में प्रवेश किया तो सारा वातावरण आनन्द एवं उत्साह से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए नगर के अलावा, इन्दौर, उज्जैन, सुखेड़ा से अनेक नागर जन आये थे। प्रथम दिन श्री नवनीत मेहता के निवास से पौथी की शोभायात्रा प्रवचन स्थल तक निकाली गई जिसमें अनेक समाजजनो ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सुश्री मंगला दवे, श्रीमती किरण मेहता, श्रीमती अनिता मेहता, श्रीमती पुष्पा मेहता, श्रीमती अनुराधा दवे, श्रीमती इन्दू रावल, नागर परिषद अध्यक्ष श्री हेमकांत दवे, उपाध्यक्ष संजय मेहता, सचिव नवनीत मेहता, विभाष मेहता इन्दौर से आये श्री प्रदीप मेहता, विष्णुदत्त नागर, सुशील नागर एवं अन्य नागर जन रहे। पांचो दिन अलग पौथी पूजन में उपस्थित एवं पण्डितजी का स्वागत करने वालों में सर्व श्री हरेन्द्र व्यास, श्रीमती भारती केतन दवे अहमदाबाद, श्रीमती स्नेहलता नागर, श्रीमती भारती-शरद मेहता, श्रीमती निर्मला-सत्यनारायण नागर, श्रीमती सरोज-अजय नागर सुखेड़ा, प्रतिभा नागर मन्दसौर राजेन्द्र रावल, अर्चनादवे, रामचन्द्र रावल, श्रीमती रेखा नागर, श्रीमती प्रज्ञा दीक्षित, श्रीमती नेहा-लव मेहता उज्जैन, महेश रावल, आर.सी. भट्ट, गिरीश भट्ट, हेमन्त भट्ट, सृष्टी दवे, शेलेन्द मेहता, शशिकांत मेहता, अक्षय मेहता, प्रकाश रावल, श्रीमती द्रोपदी त्रिवेदी श्रीमती ज्योति मेहता, श्रीमती अंजू पंड्या, श्रीमती प्रमिला रावल, श्रीमती सुशीला मेहता, श्रीमती कल्पना मेहता आदि ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेताश्री महेन्द्र कोठारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुभाष पंडित, पूर्व सीटीआई श्री देवी शंकर कागए सहित अनेक गणमान्यजन कथा में सम्मिलित हुए। अंत में सुश्री मंगलादवे ने इस सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

-ओम त्रिवेदी

सरल, सहज, मृदुभाषी श्री जमनालाल नागर का देवलोक गमन

रतलाम। मप्र नागर ब्राह्मण परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी श्री जमनालाल नागर का 82 वर्ष की उम्र में देवलोक गमन हो गया। उनका अचानक ही स्वास्थ्य खराब हुआ और घर में ही प्राणांत हो गये। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये। सखवाल नगर स्थित घर से निकली शवयात्रा में नागर समाज एवं शुभ चिंतकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जवाहर नगर स्थित श्मशान घाट पर उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री योगेश नागर ने मुखाग्नि दी। स्व. श्री जमनालाल नागर सरल, सहज, मृदुभाषी एवं धार्मिक प्रवृत्ति के होकर शिक्षा विभाग में निष्ठावान शिक्षक के रूप में कार्य कर वर्षों पूर्व सेवानिवृत्त हुए थे। श्मशान घाट पर हुई शोक सभा में नागर परिषद के अध्यक्ष श्री हेमकान्त दवे, सर्वश्री रामेश्वर मेहता, विष्णुदत्त नागर, रविशंकर दवे, संजय मेहता, ओम त्रिवेदी, सुशील नागर, रमेशचन्द्र भट्ट, विभाष मेहता, चन्द्रकांत मेहता, शशिकांत मेहता, प्रकाश रावल आदि ने स्व. श्री नागर के कार्यों का स्मरण कर उन्हें प्रेरणा पुंज बताया। बाद में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रस्तुति-ओम त्रिवेदी

परशुराम जयंती पर नागदा में समाज की ओर से किया गया दो बेटियों का कन्यादान

नागदा। परशुराम जयंती के उपलक्ष में सर्वब्राह्मण महासभा नागदा ने दो नागर बेटियों के हाथ पीले किए। चि. जितेन्द्र सुपुत्र श्री मणीशंकर नागर ग्राम टकरावदा एवं वधू सौ.कां. सीमा सुपुत्री श्री जानकीलाल नागर ग्राम पिपलोदी खेड़ा तथा वर चि. पवन सुपुत्र श्री ओमप्रकाश नागर ग्राम करंज एवं वधू सौ. कां. सोनू सुपुत्री स्व. श्री रमणलालजी ग्राम खेड़ा पिपलोदी का ब्याह सम्पन्न हुआ। दोनों बेटियों का कन्यादान समाज की ओर से किया गया। प्रातः 8 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ पं. रमेश नागर, पं. चन्द्रशेखर दवे एवं पं. ओमप्रकाश वाजपेयी की उपस्थिति में समाज अध्यक्ष पं. विजय प्रकाश मेहता श्रीमती शैलबाला मेहता द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में श्री मनोहर नागर, श्री अरुण पोत्दार, श्री मदन मोहन नागर, श्री मधु सुदन नागर, श्री ओमप्रकाश नागर का विशेष सहयोग रहा। **-सौ. शैलबाला मेहता**

अयोध्या में बही प्रवचन गंगा

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन के बालव्यास आचार्य श्री राधारमणजी महाराज के श्री मुख से रामजन्म भूमि अयोध्या में दिव्य भागवत कथा में बड़ी संख्या में धर्मालुजनों ने ज्ञानगंगा में डूबकी लगाकर अपना जीवन धन्य किया तथा वे भावविभोर हो गए। यह कथा दिनांक 30 अप्रैल से शुरु होकर 7 मई 09 तक चली। इसका समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ। महाराजश्री की अगली कथा 1 जून 2009 से बद्री विशाल (उत्तराखंड) में प्रारंभ होगी।

पं. दिनेश नागर
10, उर्दूपुरा नागर सेरी, उज्जैन
मो. 9827637647

जानकारी चाहिये

विसन नगरा नागर ब्राह्मण शांडिल्य गौत्र, (सरनेम) मेहता परिवार (पीपलरावां, जिला देवास, म.प्र.) की सती माता एवं कुल भैरव कहां स्थित है, इसकी जानकारी हमें नहीं है। यदि कोई आदरणीय महानुभाव इस गौत्र की सती माता या कुल भैरव की हमें जानकारी दे देवें तो हमारा परिवार उनका आभारी रहेगा।

सम्पर्क सूत्र :-

1. उमाशंकर मेहता इन्दौर फोन 0731-2576776
2. त्रिभुवत लाल मेहता मो. 9691296144 तथा पीपलरावां (देवास) मो. 9907224251
3. ओमप्रकाश मेहता सम्पादक दैनिक नई दुनिया भोपाल मो. 9826023674
4. मनोज मेहता, इन्दौर मो. 9893092251

द्वारा त्रिभुवनलाल मेहता
पीपलरावां

पं. शिवेशचन्द्र त्रिवेदी निदेशक बने

उज्जैन। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य शिक्षाविद् एवं राष्ट्र भारती शिक्षा महाविद्यालय उज्जैन के प्राचार्य पं. शिवेशचन्द्र त्रिवेदी (शास्त्री) की विद्वत्ता, कर्मठता, अनुभव एवं योग्यता के मद्देनजर उन्हें 15 मार्च 09 को शिक्षा निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया। ज्ञातव्य है कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी आप शिक्षा क्षेत्र से जुड़े रहकर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। आप जागीरदार स्व. श्री दुर्गाशंकरजी त्रिवेदी एवं नारायणी देवी भुतेश्वर के सुपुत्र हैं। बधाई हेतु फोन नं. 0734-2559713

सुयश : कु. कृति शर्मा एवं चि. दिव्यांशु शर्मा

राऊ। कु. कृति शर्मा एवं चि. दिव्यांशु शर्मा (सुपुत्री एवं सुपुत्र- डॉ. प्रकाश शर्मा) ने यू.सी. मॉस परीक्षा में मेरिट अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण हुए। ज्ञातव्य है कि ये दोनों सेन्ट नारवर्ट स्कूल के मेधावी विद्यार्थी है। इनकी उपलब्धि से परिवार एवं समाज गौरवान्वित हुआ है।

संस्थापक-
स्व.श्रीमती प्रभा शिवप्रसादजी शर्मा
संरक्षक-
श्रीमती निर्मला कमलकिशोरजी नागर
सेमली आश्रम
श्रीमती प्रतिभा आलोकजी मेहता
नई दिल्ली
श्रीमती विशाखा मौलेशजी पोट्टा
मुम्बई (महा.)
श्रीमती नलिनी रजनी भाई मेहता
अहमदाबाद (गुज.)
श्रीमती शारदा विनोदजी मण्डलोई
इन्दौर (म.प्र.)
श्रीमती आशा ओमप्रकाशजी मेहता
भोपाल (म.प्र.)
श्रीमती उषा रमेशजी दवे
इन्दौर (म.प्र.)
श्रीमती अंजना सुरेन्द्रजी मेहता
शाजापुर (म.प्र.)
श्रीमती सुषमा सुभाषजी व्यास
भोपाल (म.प्र.)
श्रीमती प्रमिला आशिषजी त्रिवेदी
इन्दौर (म.प्र.)
श्रीमती प्रमिला ओमप्रकाशजी त्रिवेदी
रतलाम (म.प्र.)
श्रीमती शीला जगदीशजी दशोरा
इन्दौर (म.प्र.)
श्रीमती रमा सुरेन्द्रजी मेहता
उज्जैन (म.प्र.)

❐ प्रदेश संवाददाता ❐
उज्जैन- मो.9301137378
सौ. अनामिका मनीष मेहता
खण्डवा-मो.98267-74742
सौ.शोभना सरोज जोशी
खरगोन-मो.98936-18231
सौ.वर्षा आशीष नागर,
रतलाम-मो.94251-03628
सौ.हर्षा गिरीश भट्ट
नीमच-मो.94240-33419
सौ.सावित्री रमेश नागर
नागदा-मो.98270-85738
सौ.शैलबाला विजयप्रकाश मेहता
खड़ावदा-मो. 98267-32441
सौ.नैना ओमप्रकाश नागर
पचौर-मो.94244-65799
सौ.संध्या शैलेन्द्र नागर
रीवां-मो.-94258-74798
सौ.मालिनी किशन पण्डया
राऊ-फोन-0731-2856236
सौ.माया गिरजाशंकर नागर
माकड़ोन-फोन-07369-261391
सौ.सुनीता महेन्द्र शर्मा
पीपलरावां-फोन-07270-277722
सौ.शकुंतला हरिनारायण नागर
देवास-मो.98273-98235
सौ.सरिता मोहन शर्मा
सागर- मो. 98270-88588
श्रीमती अलका प्रमोद नागर
झाबुआ- मो. 9424064104
सौ. लीना-राजेश नागर

प्रधान सम्पादक-
सौ. संगीता दीपक शर्मा
सम्पादक-
सौ. दिव्या अमिताभ मण्डलोई
सौ. दमिता नवीन झा
सह सम्पादक-
सौ. रुचि उमेश झा
सौ. संगीता विनोद नागर
सौ. सुनिता धर्मेन्द्र भट्ट
सौ. अरुणा बृजगोपाल मेहता
सौ. सरोज पं. कैलाश नागर
सौ. नीलम राजेन्द्र शर्मा
सौ. नीता वाल्मिकी नागर
सौ. जया सुभाष नागर
सौ. पल्लवी जय व्यास
सौ. तृप्ति निलेश नागर
सौ. ममता मुकुल मण्डलोई
सौ. ज्योति राजेन्द्र नागर
सौ. वन्दना विनीत नागर
सौ. आशा योगेश शर्मा
सौ. संगीता प्रदीप जोशी
सौ. बिन्दू प्रदीप मेहता
सौ. पूजा अमित व्यास

20, जूनी कसेरा बाखल (खजूरी बाजार) इन्दौर फोन. 0731-2450018 फैक्स-0731-2459026 मो.94250-63129, 98260-95995, 94259-02495, 98260-46043, 93032-74678, 99262-85002, 93032-29908
Email-manibhaisharma@gmail.com, jayhotkeshvani@gmail.com

[एस.डी.कोड 0731]

अवासिया डॉ. संजय फोन–2537750
5/14 (31) रानीसती कॉलोनी
भट्ट अनिता टीकम फोन2593078
गणेश मंदिर खजराना
भट्ट भालचन्द्र मो.9826040382
गणेश मंदिर परिसर, खजराना
भट्ट धर्मेन्द्र फोन–2591948
गणेश मंदिर खजराना
भट्ट मोहन फोन–2591077
78–ए, गणेश मंदिर खजराना
भट्ट मोहनलाल
2249, सुदामा नगर
भट्ट निकुंज/स्मिता फोन–2561821
25, रवि नगर, रिजेन्सी ओमनी
भट्ट सुशील कुमार
ई 3319, सुदामा नगर
भट्ट सतीशचंद्र फोन–2386354
91–बी, स्कीम नं. 71
भट्ट विनीत फोन–2566225
2/3, ओल्ड पलासिया
चौबे दत्तात्रय
36–बी, वैभव नगर, कनाडिया रोड
चौबे मोहन फोन–2367203
120, रूपराम नगर
चौबे महेश फोन–2447597
121, रूपराम नगर, माणिकबाग रोड़
चौबे ओ. पी.
132, विणुपूरी मेन रोड
चौबे संतोष फोन–2367203
120, रूपराम नगर
चतुर्वेदी मनोहर फोन–2493901
156, तिलक नगर
चौबे शिवकुमार मो. 9425346585
36, बी वैभव नगर
चतुर्वेदी मृणालकांत
बक्षीबाग कोठी नं.–1ब्लाक नं. 2
दवे अतुल फोन–25550749
जी.एच. 81, स्कीम नं. 54 विजय नगर,
दवे दीनदयाल फोन–2422069
42, शंकरबाग
दवे हरिश धनशंकर
62, राजमहल एक्स माणिक बाग
दवे महेशचन्द्रजी
4, श्रीनगर एनेक्स मो. 9300826249
दवे कपिल
बी.एच/38 स्कीम नं. 54
दवे जीवनलाल फोन–2484400
3 वी आय.जी. धनश्री नगर
दवे ओ.पी. फोन–2591878
91–ए, ग्रेटर ब्रजेश्रवरी, कॉलोनी
दवे राजेन्द्र फोन–4054291
57, सिल्वर आर्क्स अन्नपूर्णा रोड़
दवे रविशंकर /दवे विजयशंकर
डी. आर.10, राजेन्द्र नगर, डुप्लेक्स
दवे श्रीमती उषा फोन–2516626
''मंसा'' 20/8, सा. तुकोगंज
दवे उमेश फोन–2321470
259–सी, राजेन्द्र नगर
दवे विकास फोन–2400439
37, रेडीयों कॉलोनी
दशौरा अशोक फोन–5009076
146, न्याय नगर, सुकल्या,
दशोरा जगदीश फोन–2562419
62–ए, साकेत नगर
दशौरा राकेश
38, रघुवंशी कॉलोनी
दशौरा अजय कुमार फोन–2592582
13–सी, वैभव नगर, कनाडिया रोड
दशौरा रामचंद्र फोन–2527884
301, वर्षा अपार्टमेन्ट, 10/1 साऊथ तुकोगंज
दशौरा राजेन्द्र फोन–2799796
सी–11, वैशाली नगर
दशौरा रमेश
15–बी, प्रेम नगर
दशौरा तेजशंकर फोन–3856213
राम रहीम कॉलोनी, राऊ
दुबे कैलाश फोन–2856141
35, दुर्गा नगर, (राजेन्द्र नगर) ए.बी. रोड.
दुबे राजेश फोन–235600
शक्ति नगर, कनाडिया रोड़
दुबे सूर्यप्रकाश फोन–2572457
146, एस–2 डी, स्कीम नं. 78
दुबे श्याम सुन्दर
द्वारकापुरी
दुबे विजय कुमार फोन–2533350
6, खातीपुरा
देवाश्री राजेन्द्र अम्बालाल
सी.एम. ।। 126 सुकलिया
दीक्षित राकेश फोन–2400037
104, प्रकाश नगर
दीक्षित भानु फोन–2555027
42/2, एलआयजी
ढोलकिया दिवाकर फोन–2514478
अनसुईया, 1/5, सा. तुकोगंज
गौतम अश्विनी फोन–2533350
82, महादेव तोतला नगर
झा अनिल मो.9425322528
प्राणसुधा भवन राऊ
झा उमेश मो.9826046013
चन्द्रश्री, 13 जानकीनगर
झा नवीनचंद्र मो.9425062415
प्राणसुधा भवन राऊ
ओरियन्टल केमिकल वर्क्स फोन–2856428
प्राणसुधा भवन राऊ
झा प्रमोद राय फोन– 2415602
20 सी, सुविधिनगर,
झा शशिकांत मो.9893653353
खजराना गणेश मंदिर के सामने
झा सतीशचन्द्र फोन–2517728
130, कंचनबाग
झा श्रीमती सुशीलचन्द्र फोन–2542882
68/5, वल्लभ भवन,
झा शैलेष फोन–4001477
332, शालीमार बेंग्लो, सुकल्या एम.आर.–10 रोड़
झा संतोष
34, सीएचडी, सुखलिया
झा राजेन्द्र फोन–2764139
स्नेह नगर पाटीदार धर्मशाला के पास
झा विश्वनाथ फोन–2432713, 236281
69/5, वल्लभनगर
जोशी श्रीमती प्रभावती फोन–2364656
6, दुबे कालोनी
जोशी अजय फोन–2476165
3, जवेरी कालोनी, पलसीकर कालोनी
जोशी अखिल
27, यशवन्त निवास रोड
जोशी आशा
129, पलसीकर कॉलोनी
जोशी अरूण मो.9893367022
27, गोयल विहार, एवेन्यु
जोशी अरविन्द फोन–23626244
15 बी, प्रेमनगर
जोशी अनिल

एम/69, खातीवाला टैंक

जोशी अनिरूद्ध
26, नीलकंठ कालोनी

जोशी अखिलेश एस. फोन–2590309
119, सी वैभव नगर एक्स. सी. सेक्टर

जोशी बालकृष्ण
जे–12, जूनियर HIG तेजस नर्सिंग होम के सामने

जोशी दत्तात्रय
26, बक्षीबाग

जोशी दिनेश फोन–2498185
9/2, मनोरमागंज

जोशी दयाशंकर
10, ओल्ड पलासिया

जोशी गोपाल कृभण
18 न्याय नगर

जोशी गणपत फोन–2369740
67, राजमहल कालोनी

जोशी इन्दू फोन–2543848
19/3 काछी मोहल्ला

जोशी महेश
177, बड़ा बाजार राऊ

जोशी महेश (सीए) फोन–2535454
5/3, स्नेहलतागंज इन्दौर

जोशी श्रीमती निर्मला
262/सी समरपार्क कालोनी 5 निपानिया रोड़

जोशी नंदकिशोर
64, टेक्सटाइल क्लर्क कॉलोनी

जोशी नारायण फोन–2489335
28–डी, सुदामानगर, इन्दौर

जोशी पुरूषोत्तम फोन–2484085
18, सुदामानगर

जोशी पुरूषोत्तम फोन–2485153
528, उषानगर एक्सटेंशन

जोशी श्रीमती प्रभावती फोन–2364656
6, दुबे कालोनी

जोशी प्रकाश फोन–2496206
186–डी, तिलकनगर एक्सटेंशन

जोशी प्रभा
6, दुर्गा कालोनी

जोशी रोमेश फोन–2474713
51, रूपरामनगर,

जोशी रमेश
मार्डन बुल हाउस, शिवविलास पैलेस

जोशी रोमेश फोन–2474713
51, रुपराम नगर

जोशी रामकृष्ण फोन–2366726
44, राजमहल कॉलोनी

जोशी सुरेश फोन–2433632
19/1, न्यू पलासिया

जोशी सुधीर फोन–2764139
50, स्नेह नगर

जोशी श्रीमती सुमन फोन – 2542611
139, इमली बाजार

जोशी संतोष
150/2 परदेशीपुरा

डॉ. जोशी एस.के.
50 क्लासिक पूर्णिमा खजराना रोड़

जोशी सुभाष फोन–2562769
174, अमृत पैलेस, श्रीनगर एक्सटेंशन

जोशी श्याम
89, नंदलालपुरा

जोशी सुशील फोन–4007665
139, इमली बाजार

जोशी शंकरराव
39, नंदलालपुरा

जोशी शरद फोन–2436425
7, बख्क्षी कालोनी

जोशी योगेश फोन–2535218
87/1, नयापुरा काछी मोहल्ला

मण्डलोई लोकेश
वन्दना नगर

गौतम मंगला अश्विन फोन–2591129
84, महादेव तोतला नगर

मण्डलोई विनोद, अमिताभ फोन–2556266,
331, ए.डी. 74 स्कीम, सी सेक्टर विजय नगर

मण्डलोई मुकुल फोन–2484370
ई–2349, सुदामा नगर

मण्डलोई राघवेन्द्र फोन–9827742663
सीएम 260, सुकल्या

मण्डलोई वीरेन्द्र मो.9826071044
101–बी, प्रिकांको कालोनी

मांकड विपिन भाई फोन–4230085
202, नंदादीप अपार्टमेंट,

मांकड़ डॉ. शेखर फोन–2362263
40, इन्द्रपुरी कालोनी

मिश्र अखिलेश फोन–5057507
1019, सुदामानगर

मिश्र अशोक फोन–2486298
46/1, भवानीपुर कालोनी, इन्दौर

मिश्र अनिल कुमार
32, मां विहार कालोनी, तेजपुर गड़बड़ी पुल के आगे

मिश्र आत्मस्वरूप फोन–2489581
2099, सुदामा नगर

मिश्र अमरनाथ फोन–2592569
18 बी, वैभव नगर,

मिश्रा चंद्रशेखर फोन–2787556
203, सिल्वर आर्क्स कालोनी अन्नपूर्णा रोड़

मिश्र दीपक कुमार फोन–2545457
प्रोफेसर्स कवार्टस, 3, जी. एस. आय.टी.एस. कालेज कालोनी,

मिश्र दीपक मो. 9926550137
96, बी, वैभव नगर, कनाड़िया रोड

मिश्र गोपाल
सुदामा नगर

मिश्र गिरिजाशंकर
20, श्रीराम नगर, केसरबाग रोड़

मिश्र मदनमोहन
सिल्वर आर्क्स कालोनी,

मिश्र मोहनलाल, जयंत फोन 2562923
143, श्रीनगर एक्सटेंशन

मिश्र नरेन्द्र कुमार फोन–2485604
119, डी, सुदामा नगर,

मिश्र पण्ढरीनाथ फेन–2591978
96 बी, वैभव नगर,

मिश्र रामसुख
डी–119, सुदामा नगर

मिश्र शिवप्रसाद
50 ए अन्नपूर्णा नगर, कालोनी

मिश्र शरद फेान–2544703
166, नेताजी सुभाष मार्ग

मिश्र गोपाल
सुदामा नगर

मिश्र यशवंत फोन–2455386
5, गोराकुण्ड इन्दौर

मिश्र विष्णु
505, सुदामा नगर

मिश्रा अरविन्द
473, साईबाबा नगर,

मिश्रा बद्रीप्रसाद फोन–2786861
1153, सुदामा नगर,

मिश्रा गणेश प्रसाद फोन–2629175
652, अम्बिकापुरी एक्स, एरोड्रम रोड़

मिश्रा श्रीमती ललिता फोन–2797585
50–ए, अन्नपूर्णा नगर

मिश्रा ओ.पी. फोन–2551289
293, ए.जी., 74–सी स्कीम,

मिश्रा पी. एन. फोन–2786501
39, गोपुर कालोनी, अन्नपूर्णा रोड़ इन्दौर
मिश्रा आर. एस.
सी–137, वैशाली नगर,
मिश्रा सोमेन्द्र फोन–2321080
21, धनवन्तरी नगर
मिश्रा सुरेश फोन–2498779
58 डी, बख्तावर रामनगर,
मिश्रा वासुदेव फोन–3486173
डी–1414, सुदामा नगर
मेढ़ अजीत कुमार फोन–5088227
32, मां. विहार कालोनी, ए.बी. रोड़ इन्दौर
मेहता अक्षय फोन–9425300140
41–ए अहिल्या नगर एक्सटेंशन अन्नपूर्णा
रोड़, मेहता अतुल फोन–9424811020
17–बी, भवानीपुर कालोनी 133 इन्दौर
मेहता आशीष फोन–5060571
202, अर्पित अपार्टमेंट,
94 संचार नगर, मेन रोड़
मेहता आशीष फोन–2882863
डी–1, संत महात्मागांधी नगर,
मेहता बाबुल नटवर फोन–2786072
449ए, उषा नगर एक्सटेंशन ओशो ध्यान केन्द्र के पास, इन्दौर
मेहता बृजगोपाल फोन–4068409
79, अहिल्या नगर
मेहता बी. एस. फोन–2550799
12–बी. एफ. स्कीम नं. 74 सी
मेहता ब्रजेश फोन–2421451
10, दिलीपसिंह कालोनी
मेहता बालकृष्ण
179, खजराना
मेहता चंद्रप्रकाश
डी–51, स्लाईस 3 स्ट्रीट एफ स्कीम नं. 78, ए.बी. रोड,
मेहता दिलीप फोन–2446845
विद्यासागर 104 पलसीकर कालोनी इन्दौर
मेहता दिनेशचन्द्र फोन–4060812
112, रॉयल बंग्लोसिटी
मेहता दिलीप मो.–9406674870
102, शालीमार टाऊनशिप
मेहता देवेन्द्र फोन–2593578
बी–87 वैभव नगर कनाडिया रोड इन्दौर
मेहता धनेश्वर
60, खजराना गणराज नगर,
मेहता श्रीमती डी. व्ही. फोन–2703355
160, जावरा कम्पाउण्ड
मेहता गजेन्द्र फोन–2528348
डी/9 सी.आर.पी. लाईन्स
मेहता हरिश चन्द्र फोन–2366696
विद्याविहार 104 पलसीकर कालोनी इन्दौर
मेहता इन्द्रनारायण
315, श्रीनगर एक्सटेंशन,
मेहता जगदीश फोन–2455477
209/20, वन्दना नगर, राम वसुंधरा काम्पलेक्स
मेहता जयनंदन
श्री गणेश मंदिर, खजराना
मेहता लक्ष्मीकांत
93, सीडब्ल्यू जनता क्वार्टर
मेहता मनोज मो.9893092251
90, श्री मंगल नगर बिचोली रोड
मेहता श्रीमती मणीदेवी मो.9802324996
बी–66, संगमनगर,
मेहता महेश मो.9826633350
970, सुदामानगर, इन्दौर
मेहता नरेन्द्र फोन–4006054
12/1 एल.आई. जी. कालोनी
डॉ. मेहता प्रदीप फोन–2550550
10, ओल्ड पलासीया
मेहता प्रकाशचन्द्र, मेहता हर्ष फोन–4061875
186/बी, गोयल विहार, श्री गणेश मंदिर के पास
मेहता प्रमोद फोन–2559230
498 I, महालक्ष्मी नगर
मेहता प्रदीप मो.9424084744
अहिल्या नगर
मेहता रामगोपाल
41, परदेशीपुरा,
मेहता राजेश
13, विनायक नगर, खजराना
मेहता रामकृष्ण प्रमोद फोन 2432171
17 बी, बिल्डर्स कालोनी,
मेहता सुरेश फोन–2761271
77, इन्द्रलोक नगर कालोनी,
मेहता श्रीमती सरस्वती
882, खजराना, गुलाब बाई की गली
मेहता श्रीमती सरला
102, स्नेह अपार्टमेंट, 13–14 विद्यानगर
मेहता प्रो. सुभाष फोन–2402922
एच 3/11, लोक निर्माण विभाग
क्वार्टर नवलखा, इन्दौर
मेहता सुभाष
गणेश पुरी कालोनी खजराना
मेहता सुदर्शन फोन–4048112,
258–सी, राजेन्द्र नगर
मेहता तुलसीदास फोन–9926081728
124, श्रीनगर एक्सटेंशन
मेहता योगेन्द्र फोन–2553900
104, विपिनदीप अपार्टमेंट
ई–38, एच.आई.जी
मेहता विश्वलता फोन–2703355
60, जावरा कम्पाउंड
मेहता उमाशंकर फोन–2576776
152, न्याय नगर सुखलिया
मेहता विवेक मो. 9993570069
172, विश्वकर्मा नगर
मुंशी जतिन फोन–2561732
306, सिल्वर एवेन्यु, इन्दौर
नागर डॉ. अनुपचंद्र फोन–2482572
ए–12, सुदामा नगर,
नागर अशोक फोन–2576541
197, विजय नगर
नागर अशोक फोन–2553302
इ.के. 581 स्कीम नं. 54, विजय नगर
नागर अनिल
नवरतन बाग,
नागर अनंत नारायण मुकेश
769, खजराना
नागर अशोक फोन–2555023
109 शांती निकेतन बाम्बे हास्पिटल के पीछे
नागर अशोक
नेहरू नगर, रोड़ नम्बर 7
नागर ए.एस.
डी.के. 2/9 स्कीम नं. 74,
नागर कु. अर्चना फोन–2545554
36/3, स्नेहलतागंज
नागर बंसत कुमार फोन–2560209
77, श्रीनगर मेन, 401, शेखर कार्नर
नागर प्रो. सुरेन्द्र फोन–2403951
1, मंलमूर्ति धाम, चितावद रोड़
नागर डॉ. सी. पी. फोन–2493493
35, तिरुपति नगर, पूजा अपार्टमेंट
नागर दीपक मो. 9826564369
129–सी, वैभव नगर,
कनाडिया रोड़
नागर धर्मेन्द्र फोन–9826357077
178 ए/ए, तुलसी नगर,

बाम्बे हास्पिटल के पास, इन्दौर

पं. दिनेश नागर फोन–9425076819
166, खजराना पीपल चौक

नागर दिनेश
बी.–132 एम.आई.जी. CHL अपोलो के पीछे

नागर गोपाल फोन–2307916
655 खजराना, बड़ा राम मंदिर,

नागर श्रीमती गुलाब बाई
इमली बाजार राऊ इन्दौर

नागर गेंदालाल फोन–2546308
63, कमाठीपुरा

नागर गोविन्द
श्रमिक कालोनी इन्दौर

नागर गोपाल दुलीचंद
757, खजराना, इन्दौर

नागर गिरिजाशंकर फोन–6538275
1050, गांधी चौक राऊ

नागर हरिवल्लभ, श्रीमती श्यामादेवी
257, अनूप नगर इन्दौर फोन–4062837

नागर हरीश फोन–2453463
हरसोला

नागर जयेश फोन–2307916
655 खजराना, बड़ा राम मंदिर,

नागर जतनलाल फोन–2572544
146 बी, सुन्दर नगर सुकल्या

नागर जमनादास फोन–2620453
628, कालानी नगर

नागर जगदीश
10, ओ.टी.ओ. एग्रीकल्चर कालोनी

नागर ज्योत्सना नागर
201, ट्रीपलेक्स शालीमार टाऊनशिप

नागर जुगलकिशोर
1066, गांधी चौक राऊ

नागर ज्योतिन्द्र फोन–2558556
186, सी.एम. 2 दीनदयाल उपाध्याय नगर, सुखलिया

नागर केलाश फोन–2554488,
17 बी स्कीम नं. 114, आई 24 बंगला ए.बी. रोड़

नागर कमल कुमार
337, खजराना इन्दौर

नागर श्रीमती कमलाबाई
मेन रोड़ राऊ इन्दौर

नागर लक्ष्मीनारायण मो.99936687133
39, गणराज कालोनी खजराना

नागर महेन्द्र फोन 2560394
52 क्लासिक पूर्णिमा, खजराना

नागर मनोहर फोन–2577049
183, सी.एम.–2 मार्थोमा स्कूल के पास, सुखलिया

नागर मनोज फोन–5035235
202, सुखसागर अपार्टमेंट गोयल नगर

नागर मोती शंकर मो.9302394735
सी–7/5, केट कॉलोनी

नागर मनोहरलाल
स्टेशन रोड़ राऊ

नागर मणिशंकर फोन–2856802
बड़ा बाजार राऊ

नागर मनीष फोन–3223942
ई–252, शालीमार बेंग्लो, पार्क सुकल्या

नागर मनोहर
सदर बाजार हरसोला

नागर नरेन्द्र फोन–2555429
डी.एच./124, स्कीम 74 सी विजय नगर,

नागर निलेश फोन–2307916
655 खजराना, बड़ा राम मंदिर,

नागर नीलिमा फोन–2462062
188, बैराठी कॉलोनी

नागर नवीन फोन–2321613,
बी–6/1 केट कालोनी इन्दौर

नागर नवीन मो. 9893163021
59–60, तिरुपति कालोनी

नागर नरेन्द्र (पौराणिक) मो.9893449019

नागर पुरूषोत्तम
583 बी स्कीम नं. 71, इन्दौर

नागर प्रीतम फोन–2480533
26/37, प्रभु नगर, 101 नेहा अपार्टमेंट

नागर पूर्णिमा/नितिन फोन–2556769
डी.के.एन. 281/282, स्कीम नं. 74 सी.

नागर प्रकाश फोन–2856835
176, बडा बाजार राऊ

नागर प्रदीप फोन–2555540
विपिनदीप अपार्टमेंट, ई/33, एच.आई.जी.,

नागर पी.जी. फोन–2484022
सी–7, वैशाली नगर,

नागर पी. के. फोन–2494964
71, तिरुपति कालोनी

नागर पंकज फोन 229588460
66, ओल्ड राजमोहल्ल लोहारपट्टी गली नं. 2,

नागर राजेन्द्र फोन –2591732
73, बी वैभव नगर, कानाडिया रोड़ इन्दौर

नागर राजेन्द्र कुमार फोन–3258884
A/39, एम.आई.जी.सी.एच.एल. अपोलो के पीछे,

नागर रामप्रसाद
313, सुखदेव नगर, कालानी नगर के सामने

नागर राकेश
160 GH(B) स्कीम नं. 54 सिक्का स्कूल के पीछे

नागर राजेन्द्र मो.–9303274678
535, कालानी नगर

नागर रविशंकर मो.9301530015
एन–18, अनूप नगर,

नागर रामगोपाल फोन–2489481
58, बैंक कालोनी, नरेन्द्र तिवारी मार्ग

नागर राजाराम फोन–2856707
1052, स्टेशन रोड़ राऊ

नागर आर. आर.
38, बैंक कालोनी

नागर रमेशचंद्र फोन 2856717
1050, गांधी चौक, राऊ

नागर राजीव फोन 2559044
डी.के.एन/221, स्कीम नं. 74/सी

नागर राकेश फोन– 4024880
13, शांतिकुंज, बाम्बे हास्पिटल के पास

नागर राजेश
37, कैलाश पार्क कालोनी, गीता भवन

नागर आर. के. फोन–2540412
11–बी–12, मीरापथ नेहरू पार्क,

नागर रामचंद्र
स्टेशन रोड़ राऊ इन्दौर

नागर रमाकांत फोन–2538088
शंतिप्रिय अपार्टमेंट, ग्राउड़ फ्लोर, पागनीस पागा

नागर रमेशचन्द्र
शिवशक्ति नगर खजराना इन्दौर

नागर राजीव लोचन फोन–2571973,
ए.एम./।।/77 सुखलिया

नागर रमेशचंद्र
764, खजराना

नागर संजय मो.9893348496
नाथकृपा 4/5, नाथ मंदिर

नागर सत्यनारायण फोन–2563803
243, साकेत नगर,

नागर सुभाष फोन–3245667
30, जॉय बिल्डर्स कालोनी सूर्या अपार्टमेन्ट

नागर सूर्यकांत फोन–2470668
ज्ञानोदय, 81/2 बैराठी कालोनी

नागर प्रो. संतोष फोन–2365388
37, प्रोफेसर्स कालोनी, भँवरकुआं

नागर प्रो. सुरेन्द्र फोन–2403951

1, मंलमूर्ति धाम, चितावद रोड़

नागर एस. के. फोन–2592760
28/2,म दुला भवन, शक्ति नगर

नागर शंकरलाल/संजय फोन–4001214
56, बीमा नगर

नागर शशिकला फोन–2591484
86, गोयल नगर

नागर शंशाक फोन–2786769
7/सी/160 वैशाली नगर

नागर संतोष फोन–4060538
52/3, एल.आय.जी. कालोनी

नागर सुरेन्द्र फोन–9826353601
कालिका मंदिर मेन रोड़ ममता चौराहा, खजराना

नागर श्याम सुन्दर फोन–2385299
1380/71 बी सेक्टर, गुमाश्ता नगर इन्दौर

नागर संदीप फोन–2556589
डी.के.एन./212, स्कीम नं. 74/सी, इन्दौर

नागर डॉ. सूर्यप्रकाश फोन–2402502
54, प्रकाश नगर

नागर सुशील फोन–4292449
28, ब्रजेश्वरी मेंन रोड़

नागर शंकुतला
आर.बी.बी.सेक्टर, एल.आई.जी.,

नागर साकेत
94, महालक्ष्मी नगर, सेक्टर–1

नागर शंकर फोन–2857130
गुरू किराना स्टोर्स गांधी चौक राऊ इन्दौर

नागर एस. के.
401, राजघराना न्यू पलासिया

नागर सोहन फोन–2526029
19/6, मनोरमा गंज

नागर सुशील
624, बी, भाग्य रेखा, 203 फ्लेट न. खातीवाला टैंक

नागर उपेन्द्र फोन– 4032575
228, सुन्दर नगर सुकल्या

नागर उमाशंकर मो.9893450576
गणेश पूरी खजराना

नागर व्रजेन्द्र फोन–2309137
संस्कृति 251, श्रीमंगल नगर (बिचोली हप्सी)

नागर व्ही. डी. फोन–2524888
नाथकृपा 4/5, नाथ मंदिर

नागर वीरेन्द्र कुमार फोन–2498199
62, गीता कालोनी, पद्मावती कालोनी, इन्दौर

नागर विनोद फोन–2591301
आलेख 9 बी ब्रजेश्वरी मेन, रिंगरोड़

नागर विजय फोन–2596111
111 बी, वैभव नगर, सेक्टर–बी

नागर वाल्मिकी फोन–2524888
नाथक पा 4/5, नाथ मंदिर

नागर विनय मो.9893449974
125, पलसीकर कालोनी

नागर विनय/विश्लेष फोन–5201089
30, बैंक कालोनी, अन्नपूर्णा रोड़

नागर विनोद दुर्गाशंकर फोन–2561781
22, शांतिनगर, खजराना मार्ग

नागर विद्या फोन–2451281
4, नीलकंठ कालोनी

नागर वासुदेव
बड़ा बाजार राऊ, इन्दौर

नागर व्ही. एल. शीतल नागर
उत्कृष विहार 30–31 मनीषपुरी के पीछे,

नागर योगेश फोन–2307916
655 खजराना, बड़ा राम मंदिर,

पंडित अशोक फोन–2320309
19, न्यू राजेन्द्र नगर

पंडित चंद्रशेखर
30/2, भवानी कालोनी

पंडित नवीन फोन–2482112
2, सिल्वर आर्क्स, अन्नपूर्णा रोड़

पंडीत प्रदीप फोन–2365716
130/47 न्यु अग्रवाल नगर
सपना–संगीता के पीछे इन्दौर

पंडित डॉ. एम.एस. फोन–2590952
10–ए, रीजेन्सी ड्रीम शिवशक्ति नगर

पंडित रमेश फोन–2494143
6, पदमावती कालोनी,

पंडित एस. के. फोन–2340632
51, प्रिंस यशवंत रोड़

श्रीमती पंडित डॉ. व्हाय. एन.
59, न्याय नगर

पण्डया विजय मो.9302125058
सेक्टर/आर–248/सी महालक्ष्मी नगर

पंचोली अशोक फोन 2559011
जी.एच. 34, स्कीम नं. 54 विजय नगर,

पंचोली दिनेश
ई.–3093, सुदामा नगर, हवा बंगले के पास,

पंचोली डॉ. रमाकांत फोन–2363019
24, पागनीसपागा, अमितेश अपार्टमेंट, इन्दौर

पोद्यार चिंतन फोन–9826255407
नवनीत टावर 7, शंकर नगर,

पुराणिक अनिल फोन–2486748
116–सी, वैशाली नगर

पुराणिक हेमंत मो. 9827030111
जे–166, किश्चियन एमीनेंट के पीछे डप्ळ

पुराणिक डॉ. चैतन्य फोन–2494360
जी–2, डाक कुंज के सामने, नव रीजेन्सी, मनोरमागंज

पौराणिक गौरीशंकर शास्त्री
78, स्कीम नं. 45 विनायक संगीत कला एकादमी

पुराणिक हिमांशू फोन–2494360,
182, रेडियों कालोनी, रेसीडेंसी क्लब के सामने

पुराणिक नरेन्द्र फोन–2577942
314, श्रीनगर कालोनी एक्सटेंशन, इन्दौर

पुराणिक प्रकाश फोन–2592097
89, महादेव तोतला नगर,

पुराणिक राजेश फोन–2552080
301, चन्द्रप्रभू अपार्टमेन्ट जी.जी. 9 स्कीम नं. 54

पुराणिक सुरेन्द्र,विनोद फोन–2422811
275, भागीरथपुरा, इन्दौर

पुराणिक विनोद
299, बी.जी., LIG स्कीम नं. 54, विजय नगर

रावल अनिल भगवतीलाल फोन–4064308
फ्लेट नं. 211 कंचन विहार, 4, कंचनबाग रोड

रावल अश्विनी कुमार फोन–2565052
25, पत्रकार कालोनी

रावल भरत केशवराम फोन–2593714
96, गणेशपुरी खजराना

रावल चतुर्भज फोन–2592274
78, खजराना,

रावल दिनेश
662, खजराना मेनरोड़

रावल श्रीमती दुर्गाशंकर
1016, होल्कर हाऊस, एमजी रोड़ इन्दौर

रावल दिनेशचन्द्र
स्टेशन रोड़, राऊ इन्दौर

रावल जयनारायण मो.9826512738
32, गणराज नगर, खजराना

रावल केदार दीपक फोन–2573103
RH 71 सेन्टर ए स्लइड –1 स्कीम नं. 78

रावल कमल पहलवान मो.9826989998
91/93, खजराना मेनरोड

रावल नवीनचन्द्र फोन–2553153
155, ए तुलसी नगर बाम्बे हास्पीटल के सामने

रावल पुरूषोत्तम फोन–2480353
94, बैंक कालोनी नरेन्द्र तिवारी मार्ग

रावल रमेशप्रसाद फोन–2362605

582, खातीवाला टैंक

रावल रामगोपाल
111, बैंक कालोनी, नरेन्द्र तिवारी मार्ग

रावल रामेश्वर रणछोड़
एन–10, सांई अपार्टमेंट , 302 माई अपार्ट, अनुप नगर

रावल राजेन्द्र चतुर्भज
77, टेलीफोन नगर

रावल सतीश
स्टेशन रोड़, राऊ

रावल विकासचन्द्र फोन–9977110193
ऐ/एल 165 सुखलिया

रावल मांगीलाल पूर्णाशंकर
खजराना

राजवैध राधाकृष्ण
43/359, इन्द्रपुरी कालोनी,

शर्मा बी.एल.
9/1, के.ई.एच.

शर्मा बलराम फोन–9826362355
19/2 बड़ा बाजार राऊ

शर्मा बद्रीप्रसाद
27/2, गंगाबाई जोशी कालोनी लाबरियाभेरू

शर्मा डी. आर.
874, सुदामा नगर

शर्मा डी.पी. फोन–2477209
647, स्नेह नगर

शर्मा दुर्गादत्त
ई–'2833, सुदामा नगर इन्दौर

शर्मा हेमंत कुमार फोन–856652
स्टेशन रोड़ राऊ

शर्मा श्रीमती इंदू देवदत्त शर्मा
874–ए, सुदामा नगर मो.9827303612

शर्मा जयदेव फोन–2495745
49, कैलाश पार्क, कालोनी गीता भवन

शर्मा कैलाशचन्द्र
मालवा मिल के पास

शर्मा कैलाश
बख्तावरराम नगर इन्दौर

शर्मा के.सी.
6 परिचारिका नगर बख्तावर नगर के पास

शर्मा मनोहर रामचंद्र फोन–2593402
90, खजराना इन्दौर

शर्मा नरेन्द्र
कैलाशपुरी कालोनी रिंगरोड़ खजराना

शर्मा ओमप्रकाश फोन–2590716
24/2 आशीष नगर कनाडिया रोड़

शर्मा प्रकाश फोन–2855227
1050, नयापुरा राऊ

शर्मा प्रभुदयाल
बड़ा बाजार राऊ

शर्मा प्रकाश फोन–2856238
निहालपुरा मंडी

शर्मा प्रदीप फोन–2434398
90, श्रीनगर मेनरोड़

शर्मा ऋषिकुमार फोन–9329258045
49, कैलाश पार्क

शर्मा राजेन्द्र सुखदेव फोन–2853664
गुजरात सेरी कचहरी केसामने राऊ

शर्मा राजेश मो. 98265–36484
252, संवादनगर

शर्मा शिवप्रसाद फोन–2450018

दैनिक अवन्तिका, 20 जूनी कसेरा बाखल

दीपक – 94250–63129

पवन – 9300130952

मनीष – 9302550018

शर्मा सत्यनारायण फोन–2361146
40, इन्द्रलोक कालोनी, केशरबाग रोड़ इन्दौर

शर्मा सुभाष फोन–2482850
47–ए, वैशाली नगर

शर्मा शरद
गणराज कालोनी खजराना

शर्मा शैलेष
111, श्रमिक कालोनी राऊ

शर्मा शरद मो. 9893641871
33, गणराज नगर, खजराना

शर्मा योगेश मो. 9425072237
774, खजराना गणेश मंदिर

शुक्ला कृष्णकांत मो. 9827344687
ई.के. 322 स्कीम नं. 54, इन्दौर

शुक्ला रूपेश फोन–9893025630
684/17 बी सेक्टर, गुमाश्ता नगर

श्रोत्रीय श्रीमती सरला फोन–4049518
1192, सुदामा नगर

शास्त्री गजानंद, उमाशंकर फोन–2498444
6, पदमावती कालोनी

शास्त्री उपनारायण
बी–63, वैभव नगर

त्रिवेदी आशीष फोन–2514323
12/1 डॉ. सरजूप्रसाद मार्ग, कंचन होटल के पास

त्रिवेदी अनन्त फोन–2485998
151,ए सिल्वर आर्क्स कॉ.

त्रिवेदी डॉ. बालकृष्ण फोन 2482880
239, ए. सुदामा नगर

त्रिवेदी बालकृष्ण
773, खजराना

त्रिवेदी हर्षित फोन–2565232
309, साकेत नगर,

त्रिवेदी हितेन्द्र फोन–9893740456
22 संजीवनी नगर

त्रिवेदी डॉ. जयदेव फोन–2400344
93, प्रकाश नगर

त्रिवेदी जितेन्द्र फोन–2572436
16/1 ट्रिपलेक्स शालीमार टाऊनशिप
ए.बी. रोड़ इन्दौर

त्रिवेदी खेमराज
850, खजराना

त्रिवेदी मनीष
15, गिरधर नगर बख्तावर रामनगर के पास,

त्रिवेदी महेश/संजय फोन–2484776
200 बी सिल्वर आर्क्स, अन्नपूर्णा रोड़

त्रिवेदी नरेन्द्र/असीम फोन–4093059
630, स्नेह नगर,

त्रिवेदी प्रवीण मो.9301529899
12/1, डॉ. सरजूप्रसाद मार्ग, कंचन होटल के पास

त्रिवेदी प्रवीण फोन–2571579
ई.के. 337, स्कीम नं. 54 विजय नगर, इन्दौर

त्रिवेदी पारूल फोन–2433501
22/7, यशवंत निवास रोड़

त्रिवेदी राकेश फोन–2475785
40, रूपरामनगर,

त्रिवेदी रमेशचन्द्र फोन–2593238
206, टेलीफोन नगर

त्रिवेदी रामनारायणजी
775, खजराना

त्रिवेदी राजेश फोन–9893429815
बी–8 रिजेन्सी रिद्धि सिद्धि खजराना

त्रिवेदी रामचंद्र फोन–2590165
756, खजराना

त्रिवेदी राजेन्द्र प्रसाद
128, जे, एल.आय.जी. कालोनी

त्रिवेदी रमाकांत मुकेश/राकेश/संजय
66, सुभाष नगर फोन–2540746

त्रिवेदी श्रीमती सुमति फोन–2566156
जी–1 मंगलम पार्क, श्रीनगर एक्सटेंशन,

त्रिवेदी डॉ. सतीश फोन–2847647
9 बी सांघी कालोनी, बिचौली मर्दाना रोड़,

त्रिवेदी सत्यनारायण
773, खजराना
त्रिवेदी सुनील फोन–2761346
40, रूपरामनगर
त्रिवेदी सतीशजी
16 ए अन्नपूर्णा नगर
त्रिवेदी सुशीलादेवी फोन – 2400344
118, प्रकाश नगर
त्रिवेदी सुभाष
51, गोपुर कालोनी,
त्रिवेदी त्रिभुवन
सिल्वर आर्क्स अन्नपूर्णा रोड़
त्रिवेदी वेणीमाधव
895, खजराना
त्रिवेदी वासुदेव फोन–2592368
77, खजराना
त्रिवेदी वासुदेव फोन 2400344
118, प्रकाश नगर
त्रिवेदी यशवंत फोन 2846571
131, मानवता नगर, कनाड़िया रोड़
त्रिवेदी प्रवीण फोन 2571579
ई.के. 337, स्कीम नं. 54 विजय नगर
ठाकोर महेश फोन 3094334
194, सांईकृपा बाम्बे हास्पीटल के आगे,
उपाध्याय एल.आर. फोन–2330505
434, अमितेश नगर, ए.बी. रोड़
व्यास अभय मो. 9425076203
20, आदित्य नगर
व्यास अरूण फोन–2484574
85 बी, वैशाली नगर,
व्यास अपूर्व ज्योति फोन–2528968
17/1, सा तुकोगंज, श्राविका उपाश्रय
व्यास अद्वेताचार्य मो. 9893026655
नावेल्टी स्वीट्स खजराना
व्यास बाबूलाल फोन 2538531
64, वल्लभनगर,
व्यास भुवनेश फोन 2550120
सी.एम. 85, दीनदयाल उपाध्याय नगर, सेक्टर सी
व्यास डी.एन.
प्रेमनगर, गोपालबाग
व्यास डॉ. जी.एल. फोन–3202795
95, प्रकाश नगर,
व्यास गजेन्द्र फोन–4031124
8 अभिनन्दन नगर सुकलिया
व्यास गोवर्धनलाल फोन–2404376
95, प्रकाश नगर
व्यास हाटकेश्वर
580, सीएम–।। सुकल्या
व्यास हरिकृष्ण मो. 9926882780
ई–252, शालीमार बंग्लो
जय व्यास मो. 9425070677
(सहारा–समय) जी.एच. 160 स्कीम नं. 54
व्यास डॉ. महेन्द फोन 2434874
15 सिख मोहल्ला मो. 9826377566
व्यास नरेन्द्र फोन 2434874
15, सिख मोहल्ला मो.9826377566
व्यास नटवरलाल फोन 2482274
693, सुदामा नगर इन्दौर
व्यास रविन्द्र मो.9229825454
सी–584 ए, तुलसी नगर, बाम्बे हास्पिटल
व्यास राजेन्द्र
ई.के. 438, स्कीम नं. 54, विजय नगर
व्यास रविन्द्र कुमार फोन 2550539
9 LIG डूपलेक्स– नन्दानगर चौराहे के पास
व्यास राजेश फोन 4000337
26 ए, गोयल विहार
व्यास रतनलाल/अश्विनी फोन 2493706
60, कैलाश पार्क कालोनी
व्यास राधेश्याम
लवकुश अपार्टमेंनट सुखलिया
व्यास राजीव
सी.आर. 7, 201, स्तुति अपार्टमेंट विजय नगर,
व्यास रेवाशंकर फोन 2560689
306, विजय अपार्टमेंट मानसपूर साकेत
व्यास शैलेन्द्र
85/सी, गोम्मटगिरी, गांधी नगर
व्यास संजय
347, गुलाबबाग कालोनी, देवास नाके के पीछे
व्यास सुरेन्द्र फोन 3230126
107, निखिल अपार्टमेंनट, धवंतरी नगर
व्यास शरद
शैलजा STD पीसीओ के पास गोम्मटगिरी, गांधीनगर
व्यास डॉ. सतीश
251, साकेत नगर
व्यास सूर्यकांत फोन–2484268
ई–3095, सुदामा नगर
व्यास संतोष फोन–2560185
90, बीमा नगर, गेट नं. 2
व्यास सतीश फोन–4004653
112, न्याय नगर, सुखलिया
व्यास सुरेन्द्र फोन–2434874
15, सिख मोहल्ला
व्यास तारकेश्वर मो. 9425162590
सीएम.–।।, 580 सुखलिया
व्यास विजय कुमार फोन–2550539
9 LIG डूपलेक्स– नन्दानगर चौराहे के पास,
व्यास व्ही.के.
25, गोयल विहार एवेन्यू
व्यास विश्वनाथ फोन 2559838
329, सुन्दर नगर मेन
व्यास व्ही. के.
8 ए. गोयल विहार एवेन्यू
व्यास विनोद फोन 2434874
2, रोशनसिंह भण्डारी मार्ग
व्यास विजय फोन 2434874
15, सिख मोहल्ला
वैद्य श्रीमती शोभा फोन 2542007
के–404, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड़
वैद्य चंद्रशेखर फोन 2321735
96, धनवंतरी नगर,
वैद्य एम. एस. फोन 2486411
113–बी, सूर्यदेव नगर वैशाली नगर के पास
वैद्य माहिम फोन.2493619
33, शांति नगर, मनोरमागंज,
वैद्य ओ. पी. फोन 2554140
सी. एच. 68, सुखलिया
वैद्य रवीन्द्र फोन 2432762
47, राम रहीम कालोनी राऊ
वैद्य राजेन्द्र फोन 9303242475
286, उषा नगर एक्सटेंशन
याज्ञिक नीरज फोन–2560469
66 साकेत नगर
याज्ञिक प्रतिभा फोन 2560469
66, साकेत नगर
याज्ञिक श्रीराम फोन 8926065528
H.N. 55 शक्ति नगर, 102, मनीषा नगर, अपार्टमेंट
संकलन कर्त्ता
प्रकाशक
डॉ. निलेश नागर
पवन शर्मा
नोट :– जिस किसी भी नागर बन्धु (इन्दौर) का कोई पता या फोन नम्बर बदला हो या मोबाइल नम्बर नहीं प्रिन्ट है। कृपया निम्न मोबाइल नम्बर पर सूचना देने का कष्ट करें।
दैनिक अवन्तिका
पवन शर्मा मो. 9425063129
दीपक शर्मा मो. 9826095995

अखिल भारतीय नागर परिषद् शाखा-इन्दौर

(म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद् से सम्बद्ध)

कार्यालय- १२/१, सरजू प्रसाद मार्ग, कंचन होटल के पास, इन्दौर

अध्यक्ष-
प्रवीण त्रिवेदी मो.93015-29899

सचिव-
केदार रावल मो.98265-12738

उपाध्यक्ष-
प्रो. राजेन्द्र नागर मो. 9302500895
पं. अशोक भट्ट मो. 9302105856

सहसचिव-
योगेश शर्मा मो. 9425072237

कोषाध्यक्ष-
पुरुषोत्तम जोशी 0731-2485153

सांस्कृतिक सचिव-
हर्ष मेहता मो.94250-59423

प्रचार सचिव-
मनीष शर्मा मो. 9926285002

कार्यकारिणी सदस्य-
निलेश नागर मो. 99070-19524
गिरजाशंकर नागर मो. 99260-52287
विनीत नागर 2309137
डॉ. प्रकाश शर्मा मो. 98932-57273
प्रदीप मेहता मो. 94259-35539
अतुल दवे मो. 97555-59930
नवीन नागर मो.98931-63021

सलाहकार मंडल-
संजय नागर मो. 98933-58496
पं. रमेश रावल 2362605
देवेन्द्र मेहता 2593578
दीपक शर्मा मो. 9425063129
विनोद नागर मो. 94250-64297
सोहन नागर मो. 98270-07872
मनोज मेहता मो. 98930-92251
संतोष नागर मो. 94253-12139
हिमांशु पुराणिक मो. 93021-03442
अशोक नागर मो. 98263-78738
अशोक पंचोली 2559011
सुभाष नागर 2565989

संरक्षक मंडल-
विनोद मंडलोई 2556266
डॉ. वी.डी. नागर 2524888
सतीष झा 2517728
आशीष त्रिवेदी 2514323
व्रजेन्द्र नागर 2309137
डॉ. नरेन्द्र नागर 2555429
महेन्द्र नागर 2564046

नागर महिला मंडल, इन्दौर

(कार्यकारिणी वर्ष २००९-२०१२)

कार्यालय- 'मनसा' २०/७, साऊथ तुकोगंज, इन्दौर फोन ०७३१-२५१६६२६

अध्यक्ष- श्रीमती उषा दवे
फोन 2516626
'मनसा' 20/7, साउथ तुकोगंज इन्दौर
उपाध्यक्ष- डॉ. रेणुका मेहता
फोन 2550550/मो. 98261-69210
'रजत' 10 श्रीपुरम् ओल्ड पलासिया इन्दौर
उपाध्यक्ष- श्रीमती संगीता नागर
फोन2591301/94259-12774
'आलेख' 9 बी, ग्रेटर ब्रजेश्वरी कालोनी, इन्दौर
सचिव- श्रीमती मीना त्रिवेदी
फोन 3257887
12/1, सरजूप्रसाद मार्ग इन्दौर
सहसचिव- डॉ. रजनी मेहता
फोन 2710110/98260-46399
182, रेडियो कालोनी, इन्दौर
सांस्कृतिक सचिव- श्रीमती गायत्री मेहता
फोन 4060554/9407138599
कोषाध्यक्ष- श्रीमती शारदा मण्डलोई
फोन 2556266/4023226/94250-85052
'हाटकेश विहार' 311 ए.डी. स्कीम नं. 74 सी
विजय नगर, इन्दौर
कार्यकारिणी सदस्य
श्रीमती अरुणा व्यास
फोन 2493706
कैलाश पार्क कालोनी, गीता भवन, इन्दौर
श्रीमती प्रमिला त्रिवेदी
फोन 0731-2514323
श्रीमती जया नागर
मो.9770396623
श्रीमती अरुणा रावल
मो. 9425351354
श्रीमती चारूमित्रा नागर
मो. 9826667059
श्रीमती सुषमा मेहता
फोन 2557919/94066-74870
जरवेरा 102, शालीमार टाउनशीप, ए.बी. रोड, इन्दौर
श्रीमती बिन्दु मेहता
मो. 94240-84744
सुश्री अनिता पुराणिक
फोन 2492042
श्रीमती सीमा मण्डलोई
मो. 94251-95995
श्रीमती मीनाक्षी रावल
मो. 9826090195
हाटकेश विहार 331ए.डी. स्कीम नं. 74 सी विजय नगर इन्दौर
वरिष्ठ सलाहकार
श्रीमती प्रियबाला मेहता
फोन 4004791-2550799
12 बी.एफ. स्कीम नं. 74 सी विजय नगर इन्दौर
श्रीमती दुर्गा जोशी
फोन 2433632
19/1, न्यू पलासिया इन्दौर म.प्र.

श्रीमती प्रभा शर्मा स्मृति आकस्मिक चिकित्सा सहायता कोष

कोष बनते से ही उसका उपयोग शुरु

इन्दौर। श्रीमती प्रभा शर्मा स्मृति कोष बनते से ही उसका उपयोग शुरु हो गया। विगत 8 मई 2009 को देवास निवासी श्री कैलाशचन्द्र शर्मा को प्रातः अचानक दिल का दौरा पड़ा। उन्हें देवास के निजी चिकित्सालय में दिखाने के बाद डॉक्टरों ने राय दी कि मामला गंभीर है, अतः इन्दौर ले जाया जाए। उनके एकमात्र सुपुत्र संजय जो अभी कम उम्र है तथा पूर्णतया अनुभवी भी नहीं है, ने इस सम्बंध में आकस्मिक चिकित्सा दल से सम्पर्क किया। दल ने मरीज को तुरंत देवास से सबसे निकट पड़ने वाले तथा अपने सम्पर्क वाले 'लाईफ लाईन अस्पताल' में लाने की सलाह दी तथा मरीज के पहुंचने से पूर्व ही वहां सारी व्यवस्थाएं करवा दी। चलते-चलते संजय 5000रु. साथ रख लाए थे, परन्तु दवा-अस्पताल आय.सी.यु. का कुल खर्च 28000/- रु. के लगभग बैठा। वर्तमान में परिवार की स्थिति अचानक इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं थी। अतः प्रारंभ में समस्त राशि श्रीमती प्रभा शर्मा आकस्मिक चिकित्सा कोष से उपलब्ध कराई गई बाद में सहुलियत देखकर संजय ने 10000 (दस हजार) रु.वापस लौटा भी दिए। लेकिन कोष की वजह से उसे परेशान नहीं होना पड़ा तथा साथ ही उसे कहीं अन्य स्थान पर हाथ भी नहीं फैलाना पड़ा।

श्रीमती प्रभा शर्मा आकस्मिक चिकित्सा कोष

विगत माह तक घोषित राशि	68613

इस माह घोषित दान राशि

श्री स्वरुप गुप्ता मथुरावाला, इन्दौर	11000
श्री सुनील जैन (अक्षरविश्व) उज्जैन	11000
श्री शशि बजाज इन्दौर	5000
पं. श्री राजेश्वरजी नागर बेरछी	2500
श्री सुरेश जोशी इन्दौर	1100
श्री सुरेश प्रजापत इन्दौर	1100
श्री राजेन्द्र सांखला इन्दौर	1100
श्री डॉ. जयदेव त्रिवेदी इन्दौर	501
श्री सुभाष नागर, राऊ	501
कुल राशि	1,02,415.00

योगदान का आदान-प्रदान जारी रहे।

दरअसल उपरोक्त कोष स्थापित करने के पीछे इसी तरह की भावना भी निहित थी। उसका नाम भी आकस्मिक चिकित्सा कोष इसीलिए रखा गया। आकस्मिक घटनाओं के प्रति ज्यादातर लोग तैयार नहीं रहते तथा उन्हें परेशान होना पड़ता है श्रीमती प्रभा शर्मा आकस्मिक चिकित्सा कोष ऐसे समाज बंधुओं के हित हेतु बनाया गया है, अनायास आवश्यकता पड़ने या बाहर से इन्दौर इलाज हेतु आने वाले समाजबंधु इस कोष से मदद ले सकते हैं। जय हाटकेश वाणी पत्रिका का उद्देश्य है कि समाज बंधुओं को आवश्यकता पड़ने पर सही चिकित्सकीय सलाह मिल सके। समय पड़ने पर रियायती चिकित्सा या आर्थिक सहायता मिल सके। आकस्मिक चिकित्सा कोष का उद्घाटन ठीक उसी प्रकार हुआ जैसा गठन करने वालों की भावना थी। तुरंत आवश्यकता के लिए राशि लेने के बाद सहुलियत अनुसार शेष राशि वापस कर दी जाए ताकि ज्यादा-से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सके। इन्दौर या बाहर के कोई भी मरीज हो वे कभी भी उचित चिकित्सकीय सलाह, रियायत या आकस्मिक चिकित्सा कोष का उपयोग दल के समन्वयक दीपक शर्मा मो. 9425063129 एवं पवन शर्मा 9826095995 से सम्पर्क कर सकते हैं।

चिकित्सा कोष पहुंचा एक लाख रुपए तक-गत माह 4 अप्रैल 09 को बनाया गया प्रभा शर्मा आकस्मिक चिकित्सा कोष 1,00,000 (एक लाख) रु. के आंकड़े को पार कर गया है इस के प्रति समाज एवं गैर समाज के सहयोगियों का भारी उत्साह है। उपरोक्त कार्य भी अपने आप में अनूठा है।

श्री आशीष त्रिवेदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत

इन्दौर। नागर समाज के वरिष्ठ सक्रिय कार्यकर्ता श्री आशीष त्रिवेदी को अखिल भारतीय नागर परिषद का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उन्हें उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन के साथ सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में नागर बहुल शहरों एवं नगरों में समाज को सुसंगठित एवं सक्रिय बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। ज्ञातव्य है कि श्री आशीष त्रिवेदी अ.भा. नागर परिषद शाखा इन्दौर के 6 वर्षों तक अध्यक्ष रहें हैं आपके कार्यकाल में मालवा क्षेत्र में अभूतपूर्व आयोजन हुए हैं जिनके माध्यम से समाज में एकता एवं भाईचारा बढ़ाने में मदद मिली। नागर संस्कृति एवं संस्कार को नए आयाम देने में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान में आप खाद्य एवं औषधि प्रशासन में कंट्रोलिंग एण्ड लायसैंसिंग अथारिटी के पद को सुशोभित करते हुए भी समाज सेवा में पूरी तरह जुटे हुए हैं। महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिलने पर सम्पूर्ण नागर समाज की ओर से श्री त्रिवेदी को बधाई।

-हर्ष मेहता

श्री जयसुखरामजी झा ने सीखाया कि विद्यार्थी को 'सुख' की कामना नहीं करना चाहिए

बांसवाड़ा। वर्तमान में जब शिक्षा का व्यवसायिकरण हो गया है वहीं श्री जयसुखरामजी झा ने अपने शिक्षक स्वरुप को बरकरार रखते हुए नागर समाज की रात्रि पाठशाला में निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का प्रस्ताव रखा और उसे क्रियान्वित भी किया। रात्रि पाठशाला ज्यादा नहीं चल सकी परन्तु निःशुल्क शिक्षा दान का कार्य वे करते रहे। 17 जुलाई 1935 को माता हशीली देवी (हीरा बेन) एवं पिताजी श्री तुलसीदासजी झा के घर जन्मे श्री झा के पिताजी की कर्मभूमि भावनगर (गुजरात) थी इसलिए प्राथमिक शिक्षा गुजराती माध्यम से अर्जित की परन्तु दुर्भाग्य से सन् 1947 में पिताजी के स्वास्थ्य में विकार उत्पन्न होने से बांसवाड़ा वापस आना पड़ा उस समय उनकी उम्र मात्र 12 वर्ष की थी। बांसवाड़ा में शिक्षण कार्य हिन्दी में होता था जिसकी उन्हें जानकारी नहीं थी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री बृजमोहन त्रिवेदी की सलाह से उन्हें पहली कक्षा में प्रवेश दिलाया गया। उन्हें क्रिकेट का भी शौक था। स्कूल में छात्रों एवं शिक्षकों के बीच चल रहे मैच के दौरान ही खबर मिली कि तुम्हारे पिताजी का देहावसान हो गया है उसी क्षण से क्रिकेट भी छूट गया तथा ग्यारहवी पास करके जीविकापार्जन में लगना पड़ा। उनकी ज्ञानपिपासा कम नहीं थी। बी.ए. और एम.ए. की उपाधि रोजगार के साथ-साथ प्राप्त की इसी बीच 1956 में श्रीमती मीनाक्षी देवी से परिणय हो गया 21 जुलाई 1993 को प्रधानाचार्य के पद से सेवा निवृत्त हुए। मैं जब एम.सी.ए. में प्रवेश लेने से पूर्व घबरा रहा था, फीस की व्यवस्था से पिताजी पर बोझ बढ़ जाएगा यह विचार आ रहा था, तो फुफाजी अपनी परिस्थिति का उदाहरण देते हुए कहते कि 'मैं बगैर जूते-चप्पल पहने साधारण वस्त्रों में पढ़ने जाता था' यह हमारी कमजोरी नहीं संबल है। मैं भी तुम्हारे दादाजी श्री नानकरामजी के यहां पढ़ने जाया करता था। तुम्हें पढ़ाकर मुझे प्रसन्नता होगी। वे कहा करते थे कि यह मेडीकल लाईन तुम्हारी सही पसंद नहीं हैं तुम साफ्टवेअर की लाईन पकड़ो, इसके लिए भले ही पूना, बैंगलौर जाना पड़े। मेरी प्रगति में उनका स्नेह भरा हाथ हमेशा मेरे ऊपर रहा है। और आगे क्या कहूं क्या लिखूं समझ में नहीं आता। मेरा हृदय उनकी करुणा, ज्ञान और मार्गदर्शन से भाव-विव्हल हो उठा है, अतः विराम देता हूं।

प्रस्तुति-अमित कमल त्रिवेदी
चोरा चौक, नागर वाड़ा, बांसवाड़ा (राज.)

भावी जीवन की कहानी बाकी है

सेवानिवृत्ति हो चुकी, जीवन निवृत्ति अभी बाकी है
जीवन जो शेष बचा, उसकी कहानी बाकी है।
अब तक जो जीवन गुजर गया, उसकी स्मृति बाकी है
जीवन की निवृत्ति बाकी है भावी जीवन की कहानी बाकी है।
साठ बसन्त निकल चुके हैं, परहित कार्य कुछ किया नहीं।
जीवन की भागम भाग में, भगवन चिन्तन किया नहीं।।
फिर भी-भगवान की कृपा हमेशा बनी रही यह भी क्या कम बात है।
लेकिन जीवन की डोर, प्रभू तेरे हाथ है।
जीवन की आशा बाकी है, हर क्षण का श्वास बाकी है।
तेरी कृपा अभी बाकी है, जीवन का परिणाम बाकी है।
भगवान तेरी कृपा का, भुगतान अभी बाकी है।
जीवन की डोर अभी बाकी है, शेष कृपा अभी बाकी है।
अभी तक तो कृपा बनी रही, आगे भी कृपा करते रहना।
अरदास हमारी आप से प्रभू, निवचरणों में ध्यान बनाये रखना
जीवन की अंतिम यात्रा बाकी है, भावी जीवन की कहानी बाकी है।
भगवान स्मरण अभी बाकी है, कृपा भगवान की अभी बाकी है।
जीवन का प्रकाश अभी बाकी है, तीर थाटन की यात्रा अभी बाकी है।
इस शरीर का अवसान बाकी है, भगवान का साक्षात्कार अभी बाकी है।
पंचभूतों के चक्कर में सारा काम बाकी है,
भावी जीवन की कहानी अभी बाकी है
जीवन के अन्तिम पल में, भगवान आपको भूला न पाऊँगा
जो काम बचे है इस जीवन के, आगे के जीवन में कर पाऊंगा
जय हाटकेशवाणी पत्रिका की, प्रतिष्ठा हमेशा बनाए रखना।
रमेश नागर विनती करता, प्रभू सभी जीवो पर कृपा करते रहना।

रमेशचन्द्र नागर
3छ9 विज्ञान नगर, कोटा

सूर्य देवता के 12 नाम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य अत्यधिक प्रभावशाली एवं शक्तिशाली ग्रह है। इसकी आराधना से अन्य सभी ग्रहों को शक्ति प्राप्त होती है। भगवान सूर्य के बारह नाम निम्नानुसार हैं। प्रतिदिन प्रातःकाल इन नामों की आराधना करने से मनुष्य के नाना प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं-

सूर्य देव का प्रथम नाम 'आदित्य'	सातवां 'हरिदश'
दूसरा 'दिवाकर'	आंठवा 'विभावषु'
तीसरा 'भास्कर'	नवां 'दिनकर'
चौथा 'प्रभाकर'	दसवां 'द्वादशतम'
पांचवा 'सहशस्त्राषु	ग्यारहवां 'त्रऽभूति'
छठा 'त्रिलोचन'	बारहवां 'सूर्य' है।

श्रीमती पुष्पा मेहता
उपाध्यक्ष- नागर समाज रतलाम मो. 9229877731

'इतिहास' बनेगा 14 जून
एक दिन-दो सफल आयोजन

इन्दौर। अ.भा. नागर परिषद् शाखा इन्दौर द्वारा 14 जून 09 को दो बड़े सफल आयोजन इतिहास में दर्ज होंगे। 'सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन।'

स्थानीय ऋतुराज मांगलिक भवन नवलखा में आयोजित भव्य समारोह के साक्षी बनेंगे दो से ढाई हजार समाज बंधु। आज के व्यस्ततम दौर में बड़ी संख्या में समाजजनों को एक मंच पर एकत्र करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है साथ ही व्यस्तता के कारण बच्चों का उपनयन संस्कार लगातार विलंबित होते जाना। असमानता के कारण विवाह सम्बंधों में देरी जैसी समस्या का समाधान एक ही दिन एक ही छत के नीचे करना ऐतिहासिक घटना है। दरअसल यह कार्यक्रम और अधिक सफल एवं अधिक सार्थक होता यदि इसकी तैयारी विलंब से शुरु नहीं होती। यह कार्यक्रम पहले से तय था किन्तु 8 अप्रैल को हाटकेश्वर जयंती पर नई कार्यकारिणी के गठित होने के पश्चात इसे कार्यरूप में परिणित किया जा सका अतः कार्यक्रम तैयारी में कम समय मिला। इन्दौर नागर समाज का नाम सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन के लिए देशभर में मशहूर है। सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार भी होता है तो वह बड़े रीतिरिवाज, विधि-विधान से सम्पन्न होता है तथा अनेक लोगों की उपस्थिति से वह एकल संस्कार की बजाय ज्यादा आनन्ददायक एवं यादगार रहता है।

इसी प्रकार परिचय सम्मेलन में अभिभावकों तथा विवाह योग्य युवक-युवतियों को पसंदगी के ज्यादा अवसर प्रदान किए जाते हैं। जीवन भर का साथी बनाने के लिए पसंद का अवसर निश्चित रूप से ज्यादा मिलना ही चाहिए। अनुभवी आयोजक एवं उनकी युवा टीम सफल आयोजनों के लिए तन-मन-धन से जुड़-जुट जाती है। साथ ही इन्दौर का समस्त समाज ऐसे अवसर पर मेजबान बनकर मेहमानों को सरमाथे पर बैठाता है। यहां तक तैयारी रहती है कि बाहर से आए मेहमानों को होटल या लॉज में ठहराने के बजाय हम अपने घर का उन्हें मेहमान बनाएं ताकि घनिष्टता का भी अवसर मिले। आज के जमाने में इतनी अधिक व्यस्तता होने के बावजूद सभी कार्यकर्ता पूरा समर्पण प्रदर्शित करते हैं। नई कार्यकारिणी का उत्साह एवं कार्यक्षमता देखते हुए भविष्य में अंदर ही अंदर भव्य पैमाने पर सामूहिक विवाह की भी योजना बन रही है।

दरअसल सामूहिक विवाह ज्यादा सुविधाजनक तथा गरिमामय तरीके से सम्पन्न होना चाहिए। साथ ही स्थान का चयन भी शानदार हो यदि ऐसा हुआ तो मध्यमवर्ग के साथ-साथ समाज का अभिजात्य वर्ग भी इन सामूहिक विवाहों की ओर आकर्षित हो सकता है। हमने कलम के माध्यम से नई कार्यकारिणी को इस शुभ कार्य के लिए उकसा दिया है। अन्य समाज बंधु भी इस दिशा में प्रयास करें तथा हम एक बार फिर 'एक इतिहास' बनाएं जो गांव-गांव होता हुआ महानगरों तक पहुंचे। तब सामूहिक विवाह में अपने बच्चों की शादी करना एक 'गौरव' का विषय बन जाए।

- सौ. मीनाक्षी केदार रावल

विवाह वर्षगांठ की बधाई

डॉ. जयदेव-उमा त्रिवेदी
12 मई 1967
93, प्रकाश नगर (नवलखा),
इन्दौर फोन 2400344

शर्मा ब्रोकर्स
प्रो. आनंद शर्मा
कपास्या खली, कपास्या एवं तेल के केनवासिंग एजेन्ट
ऑफिस- 5/2, मूराई मोहल्ला छावनी, इन्दौर फोन 2706115, 2707115, मो. 98260-88115, 97130-88115
निवास- 93, रंगवासा रोड, राऊ मो. 98260-81115, 99260-88115, 90095-62115

खास हो या आम-सब ने जपा राम

3 अप्रैल 2009 श्री रामनवमी का दिन, जैसे-जैसे घड़ी का कांटा शाम के समय सात के अंक की ओर बढ़ रहा था, पूरे देश में करोड़ों लोग या तो सामूहिक आयोजनों में बैठ गए थे या अपने घरों में टीवी सेट के सामने जम चुके थे। मौका था उज्जैन के संत प्रवर पं. विजयशंकर मेहताजी के निर्देशन में हनुमान चालीसा का पाठ जिसे स्वर दिया था अनूप जलोटा व साधना सरगम ने। साथ ही आशीर्वचन देने वाले थे योग गुरु बाबा रामदेव। आस्था व संस्कार चैनल द्वारा इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया था। रायपुर में आयोजित इस कार्यक्रम को पूरे विश्व के लगभग 200 देशों में देखा गया। कार्यक्रम प्रारंभ होते ही यूं लगा मानो पूरा विश्व चार्ज हो गया हो। पुलिस प्रांगण में 50 हजार की जनसंख्या का प्रतिनिधित्व कर रहे थे अनेक संतगण, छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री श्री रमणसिंह, अनेक मंत्री व महापौर। सभी हनुमान चालीसा की एक-एक चौपाई पर झूम रहे थे। अद्भुत दृश्य था जिसका साक्षी बना पूरा विश्व। देश के अनेक छोटे-बड़े नगरों में चौपाल से लगाकर रेलवे स्टेशनों के परिसर तक सब कुछ हनुमानमय था।

हम हनुमान भक्तों को भरोसा रखना चाहिए कि दुनिया का बहीखाता अलग होता है और ऊपर बाबा हनुमंतलाल जी का हिसाब-किताब कुछ अलग होता है। हमें सेवा करनी थी, हमने कर दी। क्या मिलेगा, क्या नहीं, इसे हनुमान जी पर छोड़ दिया, लेकिन यह तय है जो हुआ सबके सहयोग से अद्भुत हुआ।

-पं. विजयशंकर मेहता

सात से आठ के बीच समय मानों ठहर गया था। अनगिनत श्रद्धालुओं ने शांतचित हो बल बुद्धि के दाता पवनपुत्र हनुमान का स्मरण किया। पं. मेहताजी के मुखारविन्द से निकले वचन श्रोताओं को भावविभोर कर गए।

विशाल मंच पर भगवान राघवेन्द्र, सीता मैया, लक्ष्मण व वीर हनुमान की झांकिया पूरे प्रांगण में अनगिनत 'हमारे हनुमान' लिखित रुधिर वर्ण को पताकाए माथे पर केसरिया तिलक लगाए झूमते भक्त सचमुच यह एक ऐखा दृश्य था जिसे भुलाया नहीं जा सकता। इस पावन मौके पर पंडित मेहता ने चालीसा की हर पंकि के गुढ़ अर्थों से जीवन शैली का नया अंदाज समझाया।

पिछले एक वर्ष से इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रयास जारी थे जिसमें श्री सुरेश गोयल (चेअरमेन, गोयल ग्रुप ऑफ कंपनीज) का विशेष योगदान रहा। तेईस विषयों पर तार्किक रूप से व्याख्यान देने वाले पं. विजयशंकर मेहता पर संपूर्ण नागर समाज को गर्व है।

प्रस्तुति-राजेन्द्र नागर निरंतर
ए-91, विवेकानंद कालोनी, उज्जैन